RNI-UPHIN/2009/30721

दिल्ली
अधिकतम तापमान 35 डिग्री
न्युनतम तापमान 26 डिग्री
एनसीआर
अधिकतम तापमान 35 डिग्री
न्युनतम तापमान 25 डिग्री

बुधवार 17 सितंबर 2025
सुर्योदय प्रातः 06:07 बजे
सूर्यास्त सांय 18:24 बजे

www.khabariya.com

एनसीआर टुडे

करंट न्यूज करंट व्यूज

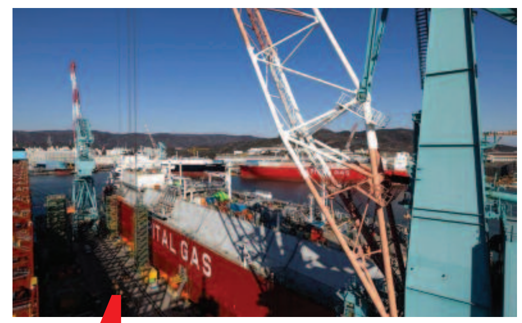

पृष्ठ 4 जहाज निर्माण कारोबार की संभावनाएं

उत्तर प्रदेश और दिल्ली से एक साथ प्रकाशित | वर्ष: 16 | अंक: 333 | गाजियाबाद, बुधवार 17 सितंबर 2025 | मूल्य: ₹ 2 | पेज: 06 | विक्रमी संवत् 2081 | युगाब्द 5126 | शाक 1946

उत्तराखंड: बादल फटने से 13 की मौत, 3 घायल, 16 लापता

✷ वेबवार्ता. देहरादून ✷

उत्तराखंड के देहरादून जिले में पिछले 48 घंटों के दौरान बादल फटने और बारिश जनित घटनाओं के कारण विभिन्न स्थानों पर 13 लोगों की मौत हो गयी तथा तीन अन्य घायल हो गये जबकि 16 लोग अब भी लापता हैं।

वहीं सरकारी एवं निजी परिसंपत्तियों का भी भारी नुकसान हुआ है। देहरादून जनपद के सभी विकासखंडो में 13 पुल, 10 पुलिया, दो मकान, 31 दीवार, दो अमृत सरोवर, 12 खेत, 12 नहर, 21 सड़के, सात पेयजल योजना, आठ हॉज, 24 पुश्ता आदि परिसंपत्तियों का भारी नुकसान हुआ है।

जिला अधिकारी सविन बंसल ने मंगलवार शाम बताया कि सोमवार व मंगलवार को बादल फटने की सूचना मिलते ही एसडीआरएफ, डीडीआरएफ, फायर ब्रिगेड आदि राहत और बचाव दल प्रभावित क्षेत्रों में पहुंच गए थे।

उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी खुद मालदेवता क्षेत्र में पहुंचे और आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

उन्होंने बताया कि वह और एसएसपी ने भी ग्राउंड जीरो पर मालदेवता, सहस्त्रधारा, गुजराडा, कार्लीगाड आदि आपदा प्रभावित क्षेत्रों में पहुंच कर मौजूदा स्थिति और क्षति का स्थलीय निरीक्षण किया।

श्री बंसल ने बताया कि इस दौरान, पीड़ित परिवारों से मिलकर उन्हें हर संभव मदद पहुंचाने का भरोसा दिलाया है। लोनिवि एवं पीएमजीएसवाई को पर्याप्त संख्या में मैन पावर और मशीनरी लगाते हुए अवरूद्ध सड़क एवं संपर्क मार्गो को शीघ्र सुचारू करने के निर्देश दिए गए हैं।

जिलाधिकारी बंसल ने बताया कि मजयाडा में तीन लोग मलबे में दबे होने और एक व्यक्ति लापता होने की जानकारी मिली है। यहां पर कुछ आवासीय भवन, आंगनबाड़ी केंद्र, पंचायत भवन, सामुदायिक केंद्र, 13 दुकान, आठ होटल, तीन रेस्टोरेंट सहित सहस्त्रधारा-कार्लीगाड मोटर मार्ग भूस्खलन के कारण नौ से अधिक स्थानों पर क्षतिग्रस्त हुआ है। उन्होंने बताया कि राजकीय पूर्व.मा.वि. चामासारी में बनाए गए राहत शिविर में कुछ प्रभावित लोगों को ठहराया गया है।

शिविर में प्रभावित लोगों से मिलकर, उन्हें हर संभव मदद का भरोसा दिया है। उन्होंने कहा कि प्रभावित परिवार यदि सुरक्षित स्थानों पर किराए में शिफ्ट होना चाहते है तो उनको प्रति परिवार तीन माह तक चार-चार हजार किराया भी दिया जाएगा।

रामगुलाम से मिले सोनिया, राहुल

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

कांग्रेस संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी और लोकसभा में विपक्ष के नेता

राहुल गांधी ने मंगलवार को यहां भारत की यात्रा पर आये मॉरीशस गणराज्य के प्रधानमंत्री डॉ. नवीनचंद्र रामगुलाम से मुलाकात की।

श्री गांधी ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में यह जानकारी देते हुए लिखा 'श्रीमती गांधी के साथ, मुझे मॉरीशस गणराज्य के प्रधानमंत्री महामहिम डॉ. नवीनचंद्र रामगुलाम से मिलने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। हमने दोनों देशों और दोनों देशों के नागरिकों के बीच गहरी और स्थायी मित्रता को लेकर बातचीत की।'

गौरतलब है कि डॉ. रामगुलाम अपनी पत्नी वीणा रामगुलाम के साथ नौ सितंबर से भारत की आठ दिवसीय यात्रा पर हैं। डॉ. रामगुलाम की इस कार्यकाल की पहली विदेश यात्रा है।

उन्होंने इस दौरान मुंबई, वाराणसी, अयोध्या और तिरुपति, उत्तराखंड कई स्थानों पर विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लिया।

न्यायाधिकरणों में सदस्य बनने को तैयार नहीं हो रहे हैं पूर्व जज: SC

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि उच्च न्यायालय से सेवानिवृत होने के बाद जज समुचित सुविधाओं के कमी के चलते न्यायाधिकरणों में न्यायिक सदस्य बनने को तैयार नहीं हो रहे हैं।

शीर्ष अदालत ने पूर्व जजों द्वारा न्यायाधिकरणों में उचित सुविधाओं के अभाव के चलते नियुक्ति को ठुकराने के लिए केंद्र सरकार को जिम्मेदार बताया है। शीर्ष अदालत ने केंद्र सरकार को एनजीटी में खाली सदस्यों के पदों को भरने में तेजी लाने का निर्देश दिया है। जस्टिस बी.वी. नागरत्ना और आर. महादेवन की पीठ ने नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के न्यायिक सदस्यों के रूप में नियुक्ति से सेवानिवृत जजों द्वारा इनकार करने से जुड़े मुद्दे पर सुनवाई के दौरान यह टिप्पणी की है।

सुप्रीम कोर्ट ने पूर्व जजों द्वारा नियुक्ति को ठुकराने की प्रवृति की भी निंदा की है। पीठ एनजीटी बार एसोसिएशन पश्चिमी क्षेत्र की उस याचिका पर विचार कर रही है एनजीटी में न्यायिक सदस्यों के कमी के चलते मामले की सुनवाई प्रभावित होने का मुद्दा उठाया गया है।

इस मामले की सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार की ओर से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल विक्रमजीत बनर्जी ने पीठ को बताया कि 'जिन दो पूर्व

न्यायाधीशों को नियुक्ति की पेशकश की गई थी, उन्होंने कार्यभार ग्रहण करने से इनकार कर दिया। पीठ को बताया कि एनजीटी में न्यायिक सदस्यों के खाली पदों को भरने के लिए नये सिरे से नियुक्ति प्रक्रिया शुरू की जाएगी और इसमें वक्त लगेगा। जस्टिस नागरत्ना ने 'नियुक्ति ठुकराने के लिए पूर्व जजों के प्रवृति की निंदा की और कहा कि यह उचित नहीं है। हालांकि, उन्होंने कहा कि उचित सुविधाओं की कमी जजों को पदों को स्वीकार करने से रोक रही है। जस्टिस नागरत्ना ने अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल बनर्जी से कहा कि 'मैं आपको बता रही हूं, नियुक्ति स्वीकार नहीं करने के कारणों में से एक कारण यह है कि, उन्हें तब इसकी वाश्तविकता पता चलती है कि ट्रिब्यूनल का सदस्य होना क्या होता है? उनमें से कुछ, यदि वे अध्यक्ष हैं, तो वे हाईकोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायाधीश या सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश थे। उन्हें कोई भी सुविधा प्रदान नहीं की जाती है। यहां तक कि स्टेशनरी के लिए भी उन्हें अनुरोध करते रहना पड़ता है।

चार ज्योतिर्लिंग तथा स्टेच्यू ऑफ यूनिटी के दर्शन के लिए भारत गौरव एक्सप्रेस

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। रेलवे ने चार ज्योतिर्लिंगों और स्टेच्यू ऑफ यूनिटी की यात्रा के लिए विशेष भारत गौरव एक्सप्रेस चलाने का निर्णय लिया है। रेलवे की ओर से मंगलवार को जारी विज्ञप्ति के अनुसार नौ दिवसीय यात्रा पैकेज में देश के चार ज्योतिर्लिंग मंदिरों के साथ आधुनिक भारत की पहचान बन चुके स्टेच्यू ऑफ यूनिटी का दर्शन कराया जाएगा। रेलवे के मुताबिक इस भारत गौरव पर्यटक ट्रेन का संचालन 25 अक्तूबर से शुरू होगा। यात्रा की शुरुआत अमृतसर से होगी और इसमें जालंधर, लुधियाना, चंडीगढ़, अंबाला, कुरुक्षेत्र, पानीपत, सोनीपत, दिल्ली कैंट और रेवाड़ी से यात्री ट्रेन में सवार हो सकेंगे। इस यात्रा में उज्जैन के महाकालेश्वर और ओंकारेश्वर, द्वारका के नागेश्वर तथा सोमनाथ (गिर-सोमनाथ) ज्योतिर्लिंग मंदिरों के साथ गुजरात के द्वारकाधीश मंदिर और केवडिया स्थित स्टैच्यू ऑफ यूनिटी का दर्शन कराया जाएगा।

शाह ने विदेशों में सक्रिय मादक पदार्थों के तस्करों को जल्द भारत लाने पर जोर दिया

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को मादक पदार्थ तस्करों पर कड़ी कार्रवाई की आवश्यकता पर बल दिया। साथ ही उन्होंने 2047 तक विकसित राष्ट्र के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए भारत के युवाओं की सुरक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला। राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के एंटी-नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) के प्रमुखों के दूसरे राष्ट्रीय सम्मेलन में अपने संबोधन में, शाह ने नशीली दवाओं के नेटवर्क को ध्वस्त करने, प्रत्यर्पण प्रक्रियाओं को बढ़ाने और नशीली दवाओं के खतरे से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए निर्वासन तंत्र को सुव्यवस्थित करने की रणनीतियों की रूपरेखा पेश की।

एनएमएमएस छात्रवृत्ति आवेदन की अंतिम तिथि 30 सितंबर तक बढ़ी

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। राष्ट्रीय साधन-सह-योग्यता छात्रवृत्ति योजना (एनएमएमएस) के तहत राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल (एनएसपी) पर आवेदन की अंतिम तिथि को 15 सितंबर से बढ़ाकर 30 सितंबर कर दिया गया है। इससे पहले अंतिम तिथि 31 अगश्त से बढ़ाकर 15 सितंबर की गयी थी। सरकारी, सरकारी सहायता प्राप्त, और स्थानीय निकाय स्कूलों में लागू इस योजना के तहत आर्थिक रूप से कमजोर कक्षा नौ के मेधावी छात्रों को प्रति वर्ष 12,000 रुपये की छात्रवृत्ति दी जाती है, जो कक्षा बारहवीं तक नवीनीकरण के आधार पर जारी रहती है। इस योजना का उद्देश्य प्राथमिक श्तर पर स्कूल छोड़ने की समस्या को रोकना और उच्चतर माध्यमिक शिक्षा को प्रोत्साहित करना है। छात्रवृत्ति राशि प्रत्यक्ष लाभ हश्तांतरण (डीबीटी) के माध्यम से पीएफएमएस द्वारा छात्रों के बैंक खातों में भेज दी जाती है। पात्रता के लिए माता-पिता की वार्षिक आय 3.50 लाख रुपये से कम और कक्षा सातवीं में न्यूनतम 55 फीसदी अंक (एससी और एसटी के लिए 5 फीसदी की छूट) आवश्यक हैं। उल्लेखनीय है कि इसके लिए इससे पहले 30 अगश्त तक एनएसपी पर 85,420 नए और 1,72,027 नवीनीकरण आवेदन अंतिम रूप से जमा किए जा चुके हैं।

भारत को अगले 5 साल में बायोफ्यूल और हरित परिवहन में अग्रणी बनाने का लक्ष्य: गडकरी

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने मंगलवार को कहा कि अगले पांच सालों में भारत को बायोफ्यूल एवं हरित परिवहन में दुनिया में अग्रणी बनाने का लक्ष्य है। साथ ही उन्होंने दिल्ली के धौलाकुआं से हरियाणा के मानेसर तक हवाई पॉड सिस्टम विकसित करने और मुंबई में जलमार्ग परिवहन के बारे में भी जानकारी दी।

मोदी के 11 साल के सुधारों से अर्थव्यवस्था को मिली ताकत,नयी कड़ी है जीएसटी सुधार

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 11 वर्ष के कार्यकाल में वश्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) लागू करने, बैंकिंग सुधार, जनधन-आधार-मोबाइल पर आधारित जनधन खाते खोलने के अभियान, दिवाला संहिता और रेरा जैसे सुधारों से अर्थव्यवस्था को बड़ी ताकत मिली है और देश आज दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है।

भू-राजनीतिक परिस्थितियों की अनिश्चितताओं के बावजूद भारत चालू वित्त वर्ष की प्रथम तिमाही में 7.8 प्रतिशत की आर्थिक वृद्धि के साथ आज दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में सबसे तेज गति से बढ़ती अर्थव्यवस्था है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा है कि देश जल्दी ही अमेरिका और चीन के बाद तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होगा। 2013-14 में भारत की रैंकिंग 11वीं थी। श्री मोदी सरकार के जन जनधन खातों के माध्यम से योजनाओं के लाभ के प्रत्यक्ष अंतरण (डीबीटी) की व्यवस्था से सार्वजनिक बजट का लीकेज बंद हुआ है और योजनाओं के चलाने की लागत कम हुई है।

बैंकों की अवरुद्ध सम्पत्तियों (एनपीए) की पहचान और उनके समाधान के सरकार के निर्णय से सरकारी बैंकों मजबूत हुए और लाभ में हैं तथा उनकी ऋण देने की क्षमता बढ़ी है। दिवाला एवं ऋण शोधन अक्षमता कानून से लाखों करोड़ रुपये की अवरुद्ध परिसम्पत्तियों का पुनरूद्धार हुआ है तथा कंपनियों ओर बैंकों की बैलेंस सीट की दोहरी दुर्बलता का इलाज हो सका है।

जीएसटी से पूरे देश का बाजार एकीकृत हुआ है तथा व्यापार की राह में राज्यों की बिक्री कर चौकियों तथा चुंगी के नाकों की बाधा इतिहास बन गयी है। जुलाई 2017 में जीएसटी को लागू करने के ऐतिहासिक सुधार के बाद मोदी सरकार के नेतृत्व में जीएसटी परिषद ने इसी माह जीएसटी में दूसरी पीढ़ी के सुधार की घोषणा की है।

अब सरकार के सामने इसी माह 22 तारीख से लागू हो रही जीएसटी की नयी दरों का लाभ आम जनता तक पहुंचाने की चुनौती है। जीएसटी के दूसरे चरण के सुधार से आम लोगों को काफी लाभ मिलने की उम्मीद है, हालांकि इससे केंद्र सरकार की राजकोषीय स्थिति के सामने कुछ समय के लिए चुनौती बढ़ सकती है।

जीएसटी 2.0 में 12 प्रतिशत की दर में आने वाली 99 प्रतिशत वश्तुएं 5 प्रतिशत की दर के दायरे में आ गयी हैं। अब देखना यह है कि कंपनियां इसका कितना लाभ लोगों को देती हैं।

मोदी सरकार के 11 साल के इतिहास को देखें तो यह न सिर्फ राजनीतिक आलोचनाओं की कीमत पर नये कानून बनाने का साहस रखती है, बल्कि उसे लागू कराने में भी कोई कोर-कसर नहीं छोड़ती है। जीएसटी सुधारों का हालांकि कोई भी राजनीतिक दल विरोध नहीं कर रहा है, पर कुछ राजनीतिक आलोचक इसे बिहार चुनाव की नजर से जरूर देख रहे हैं।

सत्ता में आते ही मोदी सरकार का सबसे बड़ा फैसला जनधन योजना था। इसने न सिर्फ प्रत्यक्ष लाभ हश्तांतरण और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं में गड़बड़ी रोकने के लिए जमीन तैयार की बल्कि करोड़ों लोगों को बैंकिंग नेटवर्क से जोड़ा। अब तक इस योजना के अंतर्गत 56 करोड़ से अधिक बैंक अकाउंट खोले गए हैं जिनमें कुल जमा राशि करीब 2,64,910 करोड़ रुपये है।

नोटबंदी का फैसला एक ऐसा फैसला रहा जिसने कई विवादों को जन्म दिया। सरकार ने 8 नवंबर 2016 को महज चार घंटे के नोटिस पर रात आठ बजे 500 रुपये और 1000 रुपये के नोटों को प्रचलन से बाहर करने की घोषणा की। इसके कारण आम लोगों को काफी परेशानी हुई।

सरकार का दावा था कि इससे कालेधन का इश्तेमाल बंद हो जायेगा और आतंकवाद का वित्त पोषण थमेगा। लेकिन, रिजर्व बैंक और सरकार के आंकड़े देखें तो इन दोनों में से कोई भी लक्ष्य हासिल नहीं हो पाया।

मेक इन इंडिया मिशन, जो आज भी जारी है, देश में विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए शुरू किया गया है। इसकी शुरुआत 25 मई 2014 को हुई थी। इससे कई विदेशी कंपनियों ने भारत में अपने प्लांट लगाये और आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ने की हमारी गति तेज हुई।

बाद में हर सरकारी नीति में मेक इन इंडिया को शामिल किया गया। डिजिटल इंडिया मिशन को जैम (जनधन आधार मोबाइल) के जरिये लोगों तक बिना किसी लीकेज के सुविधा पहुंचाने के प्रयास का आधार कहा जा सकता है।

गैर परंपरागत खतरों से युद्ध के परंपरागत तरीकों से परे जाकर निपटने को तैयार रहें सेनाएं: राजनाथ

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शीर्ष सैन्य कमांडरों से गैर परंपरागत खतरों के कारण उत्पन्न होने वाली सूचना, वैचारिक और जैविक युद्ध जैसी अदृश्य चुनौतियों से युद्ध की पारंपरिक अवधारणाओं से परे जाकर निपटने को तैयार रहने को कहा है।

श्री सिंह ने मंगलवार को कोलकाता में संयुक्त कमांडरों के सम्मेलन में शीर्ष सैन्य कमांडरों को संबोधित किया।

बाद में उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा ,'कोलकाता में आयोजित संयुक्त कमांडरों के सम्मेलन को संबोधित किया। सशस्त्र बलों के वरिष्ठ नेतृत्व को युद्ध की पारंपरिक अवधारणाओं से परे जाने और गैर परंपरागत खतरों से निपटने के लिए तैयार होने के लिए प्रेरित किया।

पूरे राष्ट्र के दृष्टिकोण के अनुरूप, सशस्त्र बलों के साथ -साथ अन्य एजेंसियों के साथ संयुक्तता और तालमेल के महत्व पर प्रकाश डाला। भविष्य की चुनौतियों से निपटने के लिए यह दृष्टिकोण आवश्यक है। रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता रणनीतिक स्वायत्तता के लिए महत्वपूर्ण है, यह आर्थिक विकास को बढ़ावा देता है, रोजगार उत्पन्न करता है और क्षमता को बढ़ाता है।' रक्षा मंत्रालय ने बताया कि रक्षा मंत्री ने दुनिया भर में हो रहे बदलावों और अशांत वैश्विक व्यवस्था, क्षेत्रीय अस्थिरता तथा उभरते सुरक्षा परिदृश्य के मद्देनजर देश की सुरक्षा प्रणाली पर इसके प्रभाव के निरंतर मूल्यांकन की आवश्यकता पर जोर दिया।

श्री सिंह ने कहा कि युद्ध की प्रकृति लगातार बदल रही है और हाल के वैश्विक संघर्षों ने 'प्रौद्योगिकी से लैस' सेना की प्रासंगिकता के महत्व को उजागर किया है। उन्होंने कहा, ' आज के युद्ध इतने अचानक और अप्रत्याशित हैं कि इनकी अवधि का अंदाजा लगाना बेहद मुश्किल है।

भारत-मॉरीशस के दीर्घकालिक द्विपक्षीय संबंध भविष्य में और अधिक मज़बूत होंगे: मुर्मु

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा है कि भारत की 'पड़ोसी प्रथम' नीति, 'महासागर विजन' और ग्लोबल साउथ के लिए हमारी प्रतिबद्धता में मॉरीशस का विशेष स्थान है और दोनों देशों के बीच साझेदारी और हर क्षेत्र में सहयोग लगातार बढ़ रहा है।

भारत यात्रा पर आये मॉरीशस के प्रधानमंत्री डॉ. नवीनचंद्र रामगुलाम ने अपनी आठ दिन की यात्रा के अंतिम दिन मंगलवार को यहां राष्ट्रपति भवन में श्रीमती मुर्मु से भेंट की।

डा. रामगुलाम नौ सितम्बर को भारत यात्रा पर आये थे। राष्ट्रपति से मुलाकात के साथ ही उनकी यात्रा संपन्न हो गयी। इससे पहले दिन में वह उप राष्ट्रपति सी पी राधाकृष्णन से भी मिले। सुबह वह राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की समाधी राजघाट और पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपयी की समाधी सदैव अटल भी गये। इस यात्रा के दौरान वह मुंबई, वाराणसी, अयोध्या और तिरुपति भी गये।

श्रीमती मुर्मु ने राष्ट्रपति भवन में प्रधानमंत्री रामगुलाम और उनके प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करते हुए कहा कि भारत की 'पड़ोसी प्रथम' नीति, 'महासागर विजन' और वैश्विक दक्षिण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता में मॉरीशस का विशेष स्थान है।

राष्ट्रपति ने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि भारत और मॉरीशस के बीच साझेदारी और सहयोग हर क्षेत्र में लगातार बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि यह हाल ही में संबंधों के प्रगाढ रणनीतिक साझेदारी' के श्तर तक पहुँचने में परिलक्षित होती है।

श्रीमती मुर्मु ने विश्वास व्यक्त किया कि मॉरिशस को भारत की ओर से दिया गया नया विशेष आर्थिक पैकेज मॉरीशस सरकार और लोगों की ज़रूरतों को पूरा करेगा। उन्होंने कहा कि अस्पताल, सड़क, बंदरगाह विकास, रक्षा खरीद और संयुक्त निगरानी जैसी परियोजनाएं बुनियादी ढांचे को मज़बूत करेंगी और आने वाले वर्षों में लोगों के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव डालेंगी। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय सहयोग अब डिजिटल तकनीकों और अंतरिक्ष क्षेत्र सहित नए क्षेत्रों में भी बढ़ रहा है।

दोनों नेताओं ने इस बात पर सहमति व्यक्त की कि देशों के बीच संबंध अद्वितीय हैं, जो साझा इतिहास, भाषा, संस्कृति और मूल्यों में निहित हैं। राष्ट्रपति ने विश्वास व्यक्त किया कि प्रधानमंत्री रामगुलाम के अनुभव के साथ भारत-मॉरीशस के दीर्घकालिक द्विपक्षीय संबंध आने वाले समय में और मज़बूत होंगे।

31 जनवरी 2026 तक कराएं महाराष्ट्र में स्थानीय निकाय चुनाव: SC

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र सरकार और राज्य चुनाव आयोग को स्पष्ट निर्देश दिया है कि राज्य में लंबे समय से लंबित स्थानीय निकाय चुनाव 31 जनवरी 2026 तक हर हाल में कराए जाएं। अदालत ने कहा कि चुनाव की तारीख आगे बढ़ाने की अनुमति नहीं दी जाएगी और इसके लिए तय समयसीमा के भीतर सभी प्रक्रियाएं पूरी की जाएं।

जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच ने सुनवाई करते हुए कहा कि 31 अक्टूबर तक परिसीमन की प्रक्रिया पूरी हो जानी चाहिए। इसके अलावा, सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र के मुख्य सचिव को निर्देश दिया कि चुनाव प्रक्रिया को सुचारू बनाने के लिए कर्मचारियों को रिटर्निंग ऑफिसर के रूप में तुरंत नियुक्त किया जाए। राज्य निर्वाचन आयोग को आदेश दिया गया है कि दो सप्ताह के भीतर कर्मचारियों की सूची मुख्य सचिव को सौंपें, ताकि चुनाव की तैयारियों में किसी तरह की देरी न हो।

सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग से यह भी कहा कि ईवीएम की उपलब्धता को लेकर 31 नवंबर तक एक हलफनामा दाखिल किया जाए। सरकार ने अदालत को बताया कि राज्य के पास वर्तमान में 65,000 ईवीएम मशीनें हैं और करीब 50,000 अतिरिक्त मशीनों की आवश्यकता है। इसके लिए ऑर्डर दिए जा चुके हैं।

सुनवाई के दौरान अदालत ने महाराष्ट्र सरकार की कार्यशैली पर नाराजगी जताई। अदालत ने कहा कि सरकार की निष्क्रियता और देरी उसकी अक्षमता को दर्शाती है। कोर्ट ने सवाल किया कि मई में दिए गए आदेश के बावजूद अब तक चुनाव क्यों नहीं कराए गए। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने मई 2024 में ही एक अंतरिम आदेश पारित करते हुए चार महीने के भीतर यानी सितंबर के अंत तक चुनाव कराने का निर्देश दिया था। यह चुनाव 2022 से लंबित थे, क्योंकि ओबीसी आरक्षण से जुड़ी मुकदमेबाजी के चलते इन्हें टाल दिया गया था।

संक्षिप्त समाचार

एक ही घर में 4271 वोटर

यूपी पंचायत चुनाव मतदाता पुनरीक्षण अभियान में सामने आई बड़ी गड़बड़ी

महोबा , एजेंसी। राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) से कराई गई जांच में प्रदेशभर में फर्जी मतदाताओं के नाम सामने आने के बाद यूपी पंचायत चुनाव के लिए चलाए जा रहे मतदाता पुनरीक्षण अभियान में भी इसी तरह की खामियां सामने आ रही हैं। यूपी के महोबा में जैतपुर ग्राम पंचायत के एक ही घर के पते में 4271 मतदाताओं के नाम दर्ज मिले हैं। बड़ी गड़बड़ी सामने आई है। इससे पहले पनवाड़ी के भी एक घर के पते में 243 मतदाताओं के नाम सामने आए थे। दरअसल, त्रिस्तरीय उत्तर प्रदेश पंचायत चुनाव को लेकर मतदाता सूची पुनरीक्षण अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में महोबा में जैतपुर के मकान नंबर 803 में 4271 मतदाताओं के नाम दर्ज मिले हैं। इसकी जानकारी पर मकान मालिक भी दंग रह गए। बता दें, इस ग्राम पंचायत में कुल 16069 मतदाता हैं। अधिकारी इसे लिपिकीय त्रुटि बताकर समाधान कराने की बात कह रहे हैं। पंचायत एवं नगरीय निकाय के सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी आरपी विश्वकर्मा का कहना है कि ग्रामीण क्षेत्रों में आवास नंबर कारगर न होने के कारण यह समस्या हुई है। महोबा एडीएम कुंवर पंकज ने बताया कि पंचायत चुनाव के लिए मतदाता पुनरीक्षण अभियान चल रहा है। 2021 की सूची की जांच कराई जा रही है। एक ही मकान नंबर में कई लोगों के नाम दर्ज होना लिपिकीय त्रुटि है। पूर्व में लगाए गए बीएलओ की यह गलती है। इसका सुधार कराने का काम कराया जा रहा है। सूची में दर्ज नाम सही हैं। मकान नंबरों में गड़बड़ी हुई है।

अखिलेश के 100 रुपए वाले बयान पर राजभर के बेटे का पलटवार

लखनऊ, एजेंसी। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने सुभासपा चीफ ओमप्रकाश राजभर को जन्मदिन पर भेजने का बयान दिया है। इस पर राजभर के बेटे और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अरुण राजभर ने सपा प्रमुख अखिलेश यादव पर पलटवार किया है। ओम प्रकाश राजभर के पास पैसा भले न हो, लेकिन ईमानदारी और जनता की सेवा का संकल्प है। इतना जरूर है कि अगर कभी अखिलेश यादव को बुरे वक्त में जरूरत पड़ी तो सुभासपा प्रमुख ओम प्रकाश राजभर ने अपने खेत से निकलने वाले अनाज और सब्जी की मदद देने से पीछे नहीं हटेंगे। उन्होंने कहा है कि समावादी पार्टी को सिर्फ पैसा ही दिखाई देता है। उन्होंने कहा कि सपा सरकार में पैसों की लूट-खसोट करते रहे इसलिए आज भी सुभासपा प्रमुख ओम प्रकाश राजभर के जन्मदिन पर शुभकामनाएं देने की जगह पैसों के आधार पर बातें कर रहे हैं। राजभर के बेटे अरुण ने कहा कि सत्ता से दूर हुए साढ़े आठ साल बीत चुके हैं। कमाई का रास्ता बंद हो गया है, इसलिए अब 100 की बात कर रहे हैं। अगर सत्ता में बने रहते तो करोड़ों-अरबों से नीचे बात ही नहीं करते। ईश्वर करे जनता के पैसों से महलों में ऐश करने वाले अब पाई-पाई का हिसाब रखें। अरुण ने कहा एएमआईएम के प्रदेश अध्यक्ष शौकत अली द्वारा महाराजा सुहेलदेव राजभर को लुटेरा बताना न सिर्फ अज्ञानता है बल्कि यह उन वीरों का अपमान भी है, जिनकी तलवार ने आक्रांताओं से देश की अस्मिता की रक्षा की। महाराजा सुहेलदेव का अपमान भारत की मिट्टी और शौर्य का अपमान है।

शांति देवी का असगर अली ने हिंदू रीति-रिवाज से अंतिम संस्कार किया

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान में दिल को छू लेने वाली एक घटना सामने आई है। सांप्रदायिक सौहार्द की मिसाल कायम करते हुए एक मुस्लिम युवक ने एक हिंदू महिला का अंतिम संस्कार किया। अपनी तीन बेटियों और एक बेटे की मौत के बाद वह अकेली रह रही थीं। मुस्लिम युवक उस महिला को मां के रूप में देखता था। राजस्थान के भीलवाड़ा में 67 साल की एक हिंदू महिला का अंतिम संस्कार एक मुस्लिम युवक ने किया। भीलवाड़ा के गांधी नगर इलाके के जंगी चौक निवासी शांति देवी पिछले कुछ समय से बीमार थीं। महात्मा गांधी अस्पताल में उनका इलाज चल रहा था, जहां रविवार को उनका निधन हो गया। अपनी तीन बेटियों और एक बेटे की मौत के बाद 2018 से वह अकेली रह रही थीं। परिवार से कोई भी इस जिम्मेदारी को उठाने के लिए मौजूद नहीं था। ऐसे में 30 साल के असगर अली खान आगे आए। वह शांति देवी को एक मां के रूप में देखते हुए बड़े हुए थे। असगर ने नम आंखों से कहा कि वह बचपन से ही मुझे मां की तरह प्यार करती थीं। वह हर दिन मुझसे पूछती थीं कि मैंने खाना खाया या नहीं या मैं कैसा महसूस कर रहा हूं। उनके निधन के बाद मुझे ऐसा लगा जैसे मैंने अपनी मां को फिर से खो दिया हो। असगर ने कहा कि मेरे माता-पिता का बहुत पहले निधन हो गया था। शांति देवी ने उस कमी को पूरा किया। कोविड के दौरान भी जब वह अस्वस्थ थीं तो मैंने उनकी देखभाल की। रविवार को उनके निधन के बाद मुझे ऐसा लगा जैसे मैंने अपनी मां को फिर से खो दिया हो। अपने पड़ोसियों और दोस्तों- अशफाक कुरैशी, आबिद कुरैशी, शाकिर पठान, फिरोज कुरैशी, इनायत और जाबिद के सहयोग से असगर खान ने अंतिम संस्कार की व्यवस्था की और अर्थी को कंधा दिया।

ट्रंप टैरिफ ने नहीं, भारी बारिश ने डुबोया

कश्मीर में हाईवे पर 5000 ट्रक क्यों खड़े

श्रीनगर, एजेंसी।
अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा 50 फीसदी टैरिफ लगाने की वजह से देश के कई हिस्सों में सामानों के निर्यात में बाधा आई है लेकिन जम्मू कश्मीर के किसान और व्यापारी दूसरी वजह से परेशान हैं। दरअसल, पिछले महीने हुई भारी बारिश की वजह से 270 किलोमीटर लंबा जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग -44 लगातार नौ दिनों तक बंद रहा। हालांकि, पिछले सप्ताह इसे खोल दिया गया लेकिन इस मार्ग पर केवल हल्के मोटर वाहनों को ही आवाजाही की अनुमति दी गई। इसकी वजह से करीब 5000 से ज्यादा ट्रक हाई वे पर फंसे हुए हैं। घाटी से देशभर के दूसरे हिस्सों में आवाजाही बाधित रहने के कारण इन ट्रकों में रखे फल अब सड़ने लगे हैं। इससे कश्मीर के फल व्यापारी गुस्से में हैं। अपना विरोध दर्ज कराने के लिए व्यापिरयों ने सोमवार को पूरे कश्मीर की फल मंडियों में हड़ताल की। लगभग 800-1,000 करोड़ रुपये का नुकसान हो सकता है क्योंकि ट्रकों में 90 प्रतिशत फल सड़ चुके हैं। ये ट्रक दस दिनों से ज्यादा समय से सड़कों पर फंसे हुए हैं।

व्यापारियों ने इसे आर्थिक नाकेबंदी करार दिया है और आरोप लगाया है कि अधिकारी सड़क की मरम्मत और उसे चालू करने के लिए अपनी पूरी क्षमता का इस्तेमाल नहीं कर रहे हैं। उत्तरी कश्मीर के सोपोर के व्यापारी संघ के मुहम्मद अशरफ ने कहा, यह मौसम की शुरुआत है और हमें भारी नुकसान उटाना पड़ रहा है। इस नुकसान की भरपाई करना असंभव है, जो सैकड़ों करोड़ रुपये में है। रिपोर्ट में कहा गया है कि नेशनल हाईवे पर कई फल व्यापारियों को अपने ट्रकों के पास रोते हुए देखा गया, जो दस दिनों से ज़्यादा समय से वहां फंसे हुए हैं। फल व्यापारियों के मुताबिक, हर ट्रक में 700-1,200 पेटियाँ लदी होती हैं, जिसकी कीमत लगभग 10-15 लाख रुपये प्रति ट्रक होती है। कश्मीर में भारी बारिश और बाढ़ के कारण पहले ही कई बाग क्षतिग्रस्त हो चुके हैं और अब सड़कों पर आवाजाही बंद रहने से फल सड़ रहे हैं। व्यापारियों ने बताया कि कई ट्रकों से सड़े फलों के रस चूने लगे हैं। इस बीच, जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने भारत सरकार से हाईवे को केंद्र शासित प्रदेश सरकार को सौंपने का आग्रह किया और आरोप लगाया है कि भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अधिकारी यह काम नहीं कर पा रहे हैं। अब्दुल्ला ने कहा, बस बहुत हो गया। हर दिन ये लोग (राजमार्ग अधिकारी) हमें बताते रहते हैं कि राजमार्ग जल्द ही बन जाएगा, लेकिन ऐसा नहीं हो रहा है। अगर वे राजमार्ग बहाल नहीं कर सकते, तो हमें सौंप दें। हम इसे तुरंत ठीक कर देंगे। उमर अब्दुल्ला ने कहा कि कश्मीर से दिल्ली तक फल ले जाने के लिए ट्रेनों की संख्या पर्याप्त नहीं है, इसकी फ्रीक्वेंसी बढ़ाई जानी चाहिए। उन्होंने इस मुद्दे पर केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से भी बात की और कहा कि 24 घंटे के भीतर चिंताओं का समाधान किया जाए। अब्दुल्ला की कैबिनेट के एक मंत्री जावेद डार, जिन्होंने राजमार्ग पर ट्रक चालकों से मुलाकात की, ने कहा, राजमार्ग पर फंसे लगभग 5,000 से 6,000 ट्रक दिल्ली की ओर बढ़ सकते हैं यदि वे अगले दो दिनों के लिए श्रीनगर से दिल्ली के लिए एकतरफा यातायात की अनुमति देते हैं। यह एक चिंताजनक स्थिति है।

पैसों के बदले हिंदुओं की जमीन ट्रांसफर की

असम की अधिकारी अरेस्ट, कैश और सोना भी जब्त

गुवाहाटी, एजेंसी।
असम पुलिस ने सोमवार को असम सिविल सेवा (एसीएस) की एक अधिकारी नुपुर बोरा को आय से अधिक संपत्ति रखने के आरोप में गिरफ्तार किया है। मुख्यमंत्री स्पेशल विजिलेंस सेल की एक टीम ने गुवाहाटी में उनके आवास पर छापेमारी की, जहां से 90 लाख रुपये नकद और 1 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के सोने के आभूषण जब्त किए गए। इसके अलावा, एक अन्य टीम ने बारपेटा में उनके किराए के मकान पर भी छापा मारा।

नुपुर बोरा गोलाघाट की निवासी हैं और 2019 में असम सिविल सेवा में शामिल हुई थीं। वह वर्तमान में कामरूप जिले के गोरोइमारी में सर्कल अधिकारी के पद पर तैनात थीं। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने बताया कि पिछले छह महीनों से उनकी गतिविधियों पर नजर रखी जा रही थी, क्योंकि उनके खिलाफ भूमि से संबंधित विवादास्पद मामलों में संलिप्तता की शिकायतें मिली थीं। मुख्यमंत्री ने कहा, यह अधिकारी बारपेटा राजस्व सर्कल में तैनात रहने के दौरान हिंदू भूमि को संदिग्ध व्यक्तियों को ट्रांसफर करने में शामिल थीं, जिसके बदले में उन्होंने पैसे लिए। हमने उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की है। उन्होंने यह भी कहा कि अल्पसंख्यक-प्रधान क्षेत्रों में राजस्व सर्कलों में व्यापक भ्रष्टाचार है। विशेष विजिलेंस सेल ने नुपुर बोरा के कथित सहयोगी, लाट मंडल सुरजीत डेका के बारपेटा स्थित आवास पर भी छापेमारी की। डेका बारपेटा राजस्व सर्कल कार्यालय में कार्यरत हैं। उन पर आरोप है कि उन्होंने नुपुर बोरा के साथ मिलकर बारपेटा में कई भूमि संपत्तियों का अधिग्रहण किया। पुलिस इस मामले में आगे की जांच कर रही है, और भ्रष्टाचार के इस मामले में अन्य संलिप्त व्यक्तियों के खिलाफ भी कार्रवाई की संभावना जताई जा रही है।

हिरासत में छह छात्र, वार्डन गिरफ्तार

हॉस्टल में जूनियर को किया निर्वस्त्र, पीटा फिर सरेआम नचवाया

बेंगलुरु, एजेंसी।
कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु के बाहरी इलाके में स्थित एक इंटरनेशनल स्कूल में सीनियर छात्रों द्वारा अपने जूनियर के साथ बर्बरता करने का मामला सामने आया है। आरोप है कि सीनियर छात्रों ने मिलकर हॉस्टल के अंदर एक जूनियर छात्र को न सिर्फ प्रताड़ित किया बल्कि उससे मारपीट भी की। हद तो तब हो गई, जब उसे नंगा कर सरेआम नचवाया। बन्नेरघट्टा पुलिस ने पिछले हफ़्ते इस सिलसिले में इंटरनेशनल स्कूल के छह छात्रों को हिरासत में लिया है। उन सभी पर एक नाबालिग लड़के के साथ रैगिंग और यौन उत्पीड़न के आरोप हैं। पुलिस ने हॉस्टल वार्डन को भी गिरफ़्तार कर लिया है।

पुलिस के मुताबिक, 15 वर्षीय छात्र को हॉस्टल के छह सीनियर चार दिनों तक निशाना बनाते रहे। इसके बाद 3 सितंबर को, आरोपियों ने कथित तौर पर पीड़ित छात्र के साथ बदतमीजी ती और उसे नंगा कर दिया। फिर सभी लोगों के सामने उसे डांस करने को मजबूर किया। जब पीड़ित ने ऐसा करने से इनकार किया तो उसे स्टील के हैंगर से पीटा गया। अगली रात भी उसके साथ दुर्व्यवहार जारी रहा। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, इसके बाद 5 और 6 सितंबर को सीनियर छात्रों ने कथित तौर पर पीड़ित जूनियर छात्र पर गर्म और ठंडा पानी डालकर उसे परेशान किया। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि छात्र ने हॉस्टल वार्डन से इस प्रताड़ना की शिकायत की थी लेकिन उन्होंने इसे मामूली बात समझकर नजरअंदाज कर दिया। बाद में, उसने लड़के के माता-पिता को इसकी सूचना दी, जिन्होंने तुरंत पुलिस से संपर्क किया और शिकायत दर्ज कराई। वार्डन को लापरवाही बरतने और घटना की जानकारी होने के बावजूद कार्रवाई न करने के आरोप में गिरफ़्तार किया गया है। पुलिस ने इस घटना के संबंध में भारतीय न्याय संहिता, किशोर न्याय अधिनियम और यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पोक्सो) अधिनियम के तहत आपराधिक धमकी और यौन उत्पीड़न सहित कई आरोप दर्ज किए हैं।

हरियाणवी फिल्म निर्माता और कलाकार उत्तर कुमार गिरफ्तार, जेल भेजा गया

✷एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

हरियाणवी फिल्मों के निर्माता और अभिनेता उत्तर कुमार को आज अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद पुलिस ने गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया। कोर्ट ने आरोपी को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

रविवार रात पुलिस उत्तर कुमार को अमरोहा स्थित उसके फार्म हाउस से हिरासत में लेकर गाजियबाद आई थी। लेकिन स्वास्थ्य कारणों से उन्हे एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उत्तर कुमार के खिलाफ एक हरियाणवी अभिनेत्री युवती ने शादी और प्रमोशन का झांसा देकर दुष्कर्म और यौन उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए एफआईआर दर्ज कराई थी।

गौतमबुद्ध नगर की 25 वर्षीय युवती हरियाणवी गानों और फिल्मों में बतौर अभिनेत्री काम करती है। उसका कहना है कि 2020 में हरियाणा की फिल्म इंडस्ट्री में उसकी मुलाकात फिल्म निर्माता और कलाकार उत्तर कुमार से हुई और दोनों ने एक एल्बम में साथ काम किया।

इसके बाद उत्तर कुमार ने उससे नजदीकियां बढ़ाईं और शादी कर फिल्मी दुनिया का स्टार बनाने और करियर को आगे बढ़ाने का लालच देकर कई बार दुष्कर्म किया और लगातार उसका यौन शोषण किया।

आरोप है कि उत्तर कुमार ने उसे कई बार डीएलएफ कॉलोनी और शालीमार गार्डन इलाके में स्थित अपने फार्म हाउस पर बुलाया और जबरन शराब पिलाकर उसके साथ छेड़छाड़ और दुष्कर्म किया। बाद में आरोपी ने शादी से इनकार कर दिया और विरोध करने पर बदनाम करने की धमकी दी।

इस मामले में बाद पीड़िता ने शालीमार गार्डन में रिपोर्ट दर्ज कराई। रिपोर्ट के बाद संबंधित सीओ फाइनल रिपोर्ट लगाकर मुकदमा बंद करने की संस्तुति कर दी। शिकायतकर्ता द्वारा सीएम आवास पर आत्पदाह की चेतावनी के बाद पुलिस ने आननफानन में एफआर को वापस लेकर मामले की जांच फिर से शुरू करते हुए सीओ इंदिरापुरम को जांच सौंप दी। सीओ ने उच्चाधिकारियो के दबाव में उत्तर कुमार को गिरफ्तार कर लिया। श्री कुमार को पुलिस रविवार रात अमरोहा स्थित फार्म हाउस से हिरासत में लेकर आई थी।

सीओ इंदिरापुरम अभिषेक श्रीवाश्तव का कहना है कि उत्तर कुमार को गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपी को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से कोर्ट ने उसे 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है।

इस घटनाक्रम में सीओ इंदिरापुरम और सीओ शालिमार गार्डन की भूमिका संदेह के घेरे में है।

बदमाशों ने महिला से दो चेन और ऑटो सवार युवक से मोबाइल छीना

लालकुआं के पास एक महिला दुकानदार के गले से ग्राहक बनकर आए दो बदमाश दो चेन छीनकर फरार हो गए। महिला ने शोर मचाते हुए बदमाशों का पीछा भी किया, लेकिन वह हाथ नहीं लगे।

हापुड़ रोड पर बाइक सवार तीन बदमाशों ने आटो सवार युवक का मोबाइल चलते आटो में छीन लिया और तेजी से फरार हो गए। पीड़ितों ने वेव सिटी और कविनगर थाने में शिकायत दर्ज कराई है।

लालकुआं के पास अनमोल सोसायटी निवासी महिला सुशीला भाटी ने बताया कि शनिवार शाम करीब चार बजे वह अपनी कनफेक्शनरी की दुकान पर बैठी थीं।

घर दिलाने के लिए मदद मांग रहा था बुजुर्ग, मंत्री ने मुंह पर किया मना

त्रिशूर , एजेंसी। अपने क्षेत्र में एक बुजुर्ग का आवेदन स्वीकार न करने को लेकर लोगों की आलोचनाओं का सामना कर रहे केंद्रीय मंत्री सुरेश गोपी ने सोमवार को सफाई दी कि उन्होंने कभी ऐसे वादे नहीं किए जो पूरे नहीं किए जा सकते। त्रिशूर में 12 सितंबर को एक सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान वेलायुधन नाम के एक बुजुर्ग व्यक्ति ने सुरेश गोपी से एक घर दिलाने में मदद के लिए आवेदन दिया था। हालांकि, केंद्रीय मंत्री ने सार्वजनिक रूप से आवेदन स्वीकार करने से इनकार कर दिया। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित होने के बाद गोपी की काफी आलोचना हुई। अपने 'फेसबुक पेज' पर सुरेश गोपी ने कहा कि कुछ लोग इस घटना का इस्तेमाल अपने राजनीतिक फायदे के लिए करने की कोशिश कर रहे हैं। उनके अनुसार, एक जनप्रतिनिधि होने के नाते वह हमेशा इस बारे में स्पष्ट रहे हैं कि वह क्या कर सकते हैं और क्या नहीं। उन्होंने कहा, मैं ऐसे वादे नहीं करता जो पूरे न हो सकें। लोगों को झूठी उम्मीदें देना मेरा काम करने का तरीका नहीं है। आवास निर्माण राज्य का विषय है और इस पर राज्य सरकार को विचार करना है। उनका प्रयास हमेशा व्यवस्था के भीतर रहकर लोगों को वास्तविक लाभ पहुंचाने पर केंद्रित रहता है।

शहीद के परिवार को मिलेगी 50 लाख की आर्थिक मदद

रायपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ सरकार ने राज्य के सैनिकों के परिवारों को दी जाने वाली आर्थिक सहायता को 20 लाख रुपये से बढ़ाकर 50 लाख रुपये करने का फैसला किया है। ये राशि उन सैनिकों के परिवारवालों कोदी जाएगी, जो युद्ध या सैन्य अभियानों के दौरान अपने प्राणों की आहुति देते हैं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। सोमवार को जारी एक सरकारी बयान में कहा गया है कि यह फैसला मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में नवा रायपुर के मंत्रालय महानदी भवन में हुई राज्य सैनिक बोर्ड (आरएसबी) की बैठक में लिया गया। बैठक में राज्य सरकार द्वारा युद्ध में शहीद हुए सैनिकों की विधवाओं, पूर्व सैनिकों और उनके आश्रितों के लिए चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाओं पर भी चर्चा हुई। इस बैठक में लिए गए फैसलों से पूर्व सैनिकों, विधवाओं और उनके परिवारों को लाभ मिलेगा। सदस्यों ने पूर्व सैनिकों की बेहतरी के लिए कई महत्वपूर्ण सुझाव भी दिए, जिस पर सरकार सकारात्मक रूप से विचार करेगी, साय ने आश्वासन दिया। अपने संबोधन में, मुख्यमंत्री ने कहा, हमारे सैनिक राष्ट्र की सुरक्षा के लिए अपनी जान कुर्बान कर देते हैं। हम उनके साहस और बलिदान को सलाम करते हैं। सरकार पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। 140 करोड़ भारतीयों की सुरक्षा देश के बहादुर सैनिकों के हाथों में है। उन्होंने कहा, इसलिए, भारत माता के इन बेटों, जो अपनी जान उनकी सेवा में समर्पित कर देते हैं, का कल्याण सुनिश्चित करना हम सभी का कर्तव्य और जिम्मेदारी है। बयान के अनुसार, शहीद सैनिकों की पत्नी या आश्रितों को दी जाने वाली अनुग्रह राशि को 20 लाख रुपये से बढ़ाकर 50 लाख रुपये, वीरता पुरस्कार विजेताओं के लिए राशि को 40 लाख रुपये से बढ़ाकर 1 करोड़ रुपये और सैनिकों के माता-पिता को दिए जाने वाले जंगी इनाम प्रोत्साहन अनुदान को प्रति वर्ष 5,000 रुपये से बढ़ाकर 20,000 रुपये प्रति वर्ष कर दिया गया है। इसके अलावा, युद्ध और सैन्य अभियानों में विकलांग हुए सैनिकों को मौजूदा 10 लाख रुपये की जगह 30 लाख रुपये मिलेंगे। बयान में कहा गया है कि सेवारत सैनिकों, पूर्व सैनिकों, विधवाओं और उनके आश्रितों को अब अपनी पहली जमीन या घर खरीदने पर 25 लाख रुपये तक की स्टाम्प ड्यूटी में छूट मिलेगी। छत्तीसगढ़ के सैनिक कल्याण निदेशालय के निदेशक और राज्य सैनिक बोर्ड के सचिव, ब्रिगेडियर विवेक शर्मा (सेवानिवृत्त) ने आरएसबी की गतिविधियों पर एक संक्षिप्त रिपोर्ट प्रस्तुत की।

एनसीआर में एक और कार का कहर

पलवल, एजेंसी।
पलवल के गांव उटावड़ में सोमवार दोपहर एक पुलिसकर्मी की तेज रफ्तार कार की टक्कर से दो स्कूली छात्र की मौत हो गई। वहीं, तीसरे छात्र को गंभीर हालत में नजदीक के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। तीनों छात्र दादा के साथ स्कूल से लौट रहे थे। आरोपी पुलिसकर्मी नूंह के डीएसपी का रीडर है। उटावड़ थाना की पुलिस ने मामला दर्जकर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार मरने वाले छात्रों की पहचान गांव उटावड़ निवासी 13 वर्षीय अयान व नौ वर्षीय अहसान के रूप में हुई है। जबकि घायल छात्र सात वर्षीय मोहम्मद अरजान नजदीक स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पीड़ित परिजन आस मौहम्मद ने अपनी शिकायत में पुलिस बताया है

कि हादसे के शिकार बच्चे उनके पोते हैं। अयान पांचवीं कक्षा का छात्र था। जबकि अहसान चौथी कक्षा में पढ़ता था। वहीं अरजान दूसरी कक्षा में पढ़ता है। सभी गांव में स्थित एक सरकारी स्कूल में पढ़ते थे। सोमवार दोपहर करीब डेढ़ बजे स्कूल से छुट्टी होने के बाद वह अपने पोतों को पैदल स्कूल से घर ले जा रहे थे। सभी गांव स्थित एक निजी स्कूल के पास पहुंचे, पीछे से एक तेज रफ्तार कार ने तीनों बच्चों को टक्कर मार दी।

उन्होंने कूदकर अपनी जान बचाई। हादसा इतना जबरदस्त था कि अयान और अहसान की मौके पर ही मौत हो गई। पीड़ित का कहना है आरोपी कार चालक पुलिस कर्मी था। वह हादसे के बाद कार समेत फरार होने लगा। लेकिन लोग उसे काबू कर पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस आरोपी कार चालक पुलिस कर्मी को हिरासत में लेकर जांच कर रही है। उटावड़ थाना के एसएचओ रेणू शेखावत ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्जकर जांच शुरू कर दी गई है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि टक्कर मारने के बाद आरोपी पुलिस कर्मी कार समेत फरार हो गया। लेकिन ग्रामीणों ने करीब एक किलोमीटर पीछा कर उसे पकड़ लिया। वहां आरोपी पुलिस होने का धौंस दिखाकर पीड़ितों का धमकाया। आरोप है कि पुलिसकर्मी शराब के नशे में था।

टीईटी की अनिवार्यता के विरोध में सैकड़ों शिक्षकों का प्रदर्शन

✷एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के बैनर तले मंगलवार को सैकड़ों शिक्षकों ने टीईटी की अनिवार्यता के विरोध में कलेक्ट्रेट पर धरना दिया और नारेबाजी कर प्रदर्शन किया। साथ ही प्रधानमंत्री के नाम एसडीएम को ज्ञापन देकर 2010 से पहले नियुक्त शिक्षकों को इससे मुक्त करने की मांग की। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के आह्वान पर जुटे शिक्षकों ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले से शिक्षकों के सामने रोजी-रोटी का संकट पैदा हो गया है। सभी योग्यताएं पूरी करते हुए भर्ती हुए शिक्षकों पर जबरदश्ती यह फैसला थोपा जा रहा है जो कि व्यवहारिक नहीं है।

इस पर सरकार तथा कोर्ट को फिर से विचार और समीक्षा करनी चाहिए। संघ के जिला अध्यक्ष दीपक शर्मा और महानगर अध्यक्ष अमित गोस्वामी ने कहा कि आरटीई एक्ट 2009 की धारा 23 की उपधारा (2) एवं उपधारा के परंतुक में संशोधन 2017 ऐसे शिक्षकों पर प्रभावी है जो 25 अगश्त 2010 के बाद न्यूनतम योग्यता में शिथिलता प्राप्त करके नियुक्त हुए हैं। इससे पहले नियुक्त शिक्षकों पर यह प्रभावी नहीं है। वहीं, उत्तर प्रदेश में आरटीई एक्ट 2009, 29 जुलाई 2011 को लागू हुआ है। ऐसे में इससे पूर्व नियुक्त शिक्षकों को टीईटी की अर्हता हासिल करना अनिवार्य नहीं है। संघ के महामंत्री लईक अहमद और कोषाध्यक्ष राजबहादुर ने कहा कि एक सितंबर को कोर्ट ने फैसला दिया है कि शिक्षकों को दो साल में टीईटी पास करना होगा। अन्यथा शिक्षकों को सेवानिवृत्ति दे दी जाएगी। इससे देशभर के शिक्षक चिंतित और आक्रोशित हैं।

टीसी के बदले रुपये मांगने का वीडियो वायरल

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। मोदीनगर के डबल स्टोरी कॉलोनी निवासी अश्वनी ने बताया कि उनके दो पुत्र कक्षा तीन तक गोविन्दपुरी कॉलोनी स्थित समर फील्ड पब्लिक स्कूल में पढ़ते थे। आरोप है कि मंगलवार को जब वो टीसी लेने गए तो प्रधानाचार्य ने टीसी देने के नाम पर एक हजार रुपये की मांग की। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। प्रधानाचार्य ने आरोपों से इनकार किया है। अश्वनी ने उपजिलाधिकारी, सीओ और शिक्षा विभाग से मामले की शिकायत की है।

सहपाठी पर छात्रा से छेड़छाड़ करने का आरोप

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। मोदीनगर की एक कॉलोनी निवासी महिला परिवार सहित रहती है। महिला की पुत्री बीकॉम की छात्रा है। आरोप है कि साथ पढ़ने वाला युवक देवांक छात्रा का पीछा कर अश्लील टिप्पणी करता है और राश्ते में रोककर छेड़छाड़ भी करता है। विरोध करने पर जान से मारने की धमकी भी दी है। छात्रा की मां ने इस संबंध में मोदीनगर थाने में तहरीर दी है। पुलिस ने देवांक पुत्र मोनू के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

व्यापारी पर हमला करके 60 हजार रुपये छीने

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। मोदीनगर की नंदनगरी कॉलोनी निवासी राजेन्द्र कुमार का दिल्ली मेरठ मार्ग पर इलेक्ट्रिकल उत्पादों का कारखाना है। रविवार रात को वह कारखाना बंद करके घर जा रहे थे। थोड़ी दूर पहुंचने पर तीन युवकों ने धारदार हथियार से हमला कर सिर फोड़ दिया। गंभीर हालत में उन्हें लोगों ने अस्पताल में भर्ती कराया। पीड़ित ने 60 हजार रुपये छीनने का भी आरोप लगाया है। पीड़ित ने इस संबंध में मोदीनगर थाने में तहरीर दी हे।

दूध लेने जा रहे युवक को बेरहमी से पीटा

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। मोदीनगर की जगतपुरी कॉलोनी निवासी सुभाष चंद्र सोमवार शाम को दूध लेने के लिए जा रहे थे। जब बीच राश्ते में पहुंचे तो नकुल और उसके दो साथी मिले, जो गाली देने लगे। गाली देने का विरोध करने पर आरोपियों ने लाठी डंडों से हमला कर दिया। चीख पुकार सुन आसपास के लोगों को आता देखकर आरोपी मौके से फरार हो गए। एसीपी ने बताया कि नकुल निवासी अज्ञात और दो अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है।

घर के बाहर से ई-रिक्शा किया चोरी

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। लोनी थाना क्षेत्र की प्रेम नगर कॉलोनी निवासी रियाजुद्दीन ई-रिक्शा चलाते है। उन्होंने बताया कि एक सितंबर को घर के बाहर गली में ई-रिक्शा जंजीर से बांधकर परिवार के साथ सो गए थे। सुबह देखा तो वह गायब था। घर से कुछ दूर लगे सीसीटीवी में सुबह करीब चार बजे के आसपास एक चोर रिक्शा ले जाता हुए दिखाई दे रहा है। सीओ लोनी सिद्धार्थ गौतम ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर रिपोर्ट दर्ज की गई है।

बैनामे के नाम पर रिश्वत मांगने का आरोप

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। मुरादनगर थानाक्षेत्र के गांव रेवड़ा रेवड़ी निवासी महिला मेवा देवी अपने पुत्र रविन्द्र और अजब सिंह के नाम पर मोदीनगर तसहील में गिफ्ट डीड के तहत बैनामा कराने आई थी। महिला ने वोटर आईडी पहचान पत्र के रूप में लगाई। रजिस्ट्री कार्यालय में तैनात कर्मचारी ने बैनामा करने से इनकार कर दिया। आरोप है कि बैनामा कराने के लिए 40 हजार रुपये का सुविधा शुल्क मांगा। महिला ने इस संबंध में उपजिलाधिकारी अजीत सिंह से शिकायत की है। उपजिलाधिकारी का कहना है कि मामला की जांच कराकर कार्रवाई की जाएगी।

झालू में बिजली उपभोक्ताओं के लिए मेगा कैंप आज

✷ एनसीआर टुडे. झालू ✷। नगर के विद्युत केंद्र पर आगामी 17 सितंबर, बुधवार को सुबह 10 बजे से बिजली उपभोक्ताओं के लिए मेगा कैंप का आयोजन किया जाएगा। इस शिविर में उपभोक्ताओं की बिजली बिल संबंधी समस्याएँ, मीटर से जुड़ी शिकायतें तथा अन्य विद्युत समस्याओं का समाधान किया जाएगा। विभागीय अधिकारियों ने उपभोक्ताओं से अधिक से अधिक संख्या में पहुँचकर अपनी समस्याओं का समाधान कराने की अपील की है। द्वितीय विद्युत उपखंड अधिकारी अरविंद कुमार बिंद ने बताया कि शिविर में उपभोक्ताओं को त्वरित समाधान उपलब्ध कराने का पूरा प्रयास किया जाएगा।

इनामपुरा में युवक की हत्या से फैली सनसनी ,एसपी मौके पर

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✷। युवक की हत्या कर शव को आम के बाग़ मे फेंका। मृतक युवक के चेहरे पर चौट के गहरे निशान है। घटना से इलाके मे फैली सनसनी लोगो की लगी भीड़। सूचना मिलने पर SP अभिषेक झा मौके पर पहुंचे। पुलिस पूरे मामले की जांच पड़ताल मे जुटी SP ने लगाई टिमे। थाना मंडावर के इनामपुर गांव का पूरा मामला बताया जा रहा है।

भारतीय किसान युनियन टिकेत ग्रुप में सरदार सुख-चैन सिंह को तहसील उपाध्यक्ष नियुक्त किया

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷। भारतीय किसान यूनियन टिकेत संगठन की मासिक पंचायत एस डी एम कोर्ट के प्रांगण में आयोजित की गई । जिसकी अध्यक्षता तहसील अध्यक्ष डॉ धर्मवीर सिंह चौहान एवम चौ बलजीत ने किया तथा संचालन बिजेंद्र सिंह ने किया। जिसमें बढ़ापुर क्षेत्र के वरिष्ठ कार्यकर्ता मेहनती तथा संगठन के अनुशासन में रहकर कार्य करने वाले सरदार सुख-चैन सिंह को उनकी मेहनत व संगठन की प्रति लगन को देखते हुए उन्हें नगीना तहसील का वरिष्ठ उपाध्यक्ष बनाया गया।

गाजियाबाद के दो व्यापारी कार में जिंदा जले, दो गंभीर

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

आशु, मृतक
आशु, मृतक
सुमित, घायल

ऋषि, घायल

गाजियाबाद के तुराब नगर बाजार के चार व्यापारी आशु, मोनू, सुमित और ऋषि खाटू श्याम जी गए थे। वापस लौटने के दौरान राश्ते में हरियाणा के रेवाड़ी के पास उनकी कार एक हादसे का शिकार हो गई।

यहां केमिकल से भरे ट्रक में आग लगी थी, उनकी कार इसकी लपटों की चपेट में आ गई और जलने लगी। हादसे में दो व्यापारी आशु और मोनू की मौत हो गई। सुमित और ऋषि का उपचार हॉस्पिटल में चल रहा है। हादसा सोमवार देर रात रेवाड़ी के बनीपुर चौक पर हुआ। रात लगभग 1 बजे के आसपास एक कैंटर, जिसमें केमिकल भरा हुआ था, अचानक आग की लपटों में घिर गया। आग इतनी तेज़ी से भड़की कि पीछे से आ रही क्रेटा कार भी उसकी चपेट में आ गई।

उतरप्रदेश के गाजियाबाद के चार व्यापारियों के लिए रेवाड़ी के बनेपुर चौक पर की यात्रा मौत में बदल गई। सोमवार देर रात करीब 1 बजे, केमिकल से भरे एक ट्रक में अचानक आग लग गई और पीछे से आ रही क्रेटा कार आग की चपेट में आ गई। हादसे में दो व्यापारी आशु और मोनू की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि सुमित और ऋषि गंभीर रूप से घायल हो गए।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि आग इतनी तेज़ी से फैल गई कि देखते ही देखते कैंटर और कार दोनों पूरी तरह आग की लपटों में घिर गए। घटनास्थल पर मौजूद लोगों में अफरातफरी मच गई। सभी ने तुरंत पुलिस और दमकल विभाग को सूचना दी।

हादसे के दौरान मौके पर मौजूद लोगों ने आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन केमिकल के रिसाव और आग की तीव्रता के कारण उन्हें बचाव कार्य में काफी कठिनाई का सामना करना पड़ा। आग की वजह से सड़क पर जाने-जाने वाले यात्री भी डर के मारे सुरक्षित स्थान की ओर भागे।

गाजियाबाद के तुराब नगर बाजार के चार व्यापारी—आशु, मोनू, सुमित और ऋषि—खाटू श्याम जी के दर्शन के लिए निकले थे। हादसे के समय उनके वाहन में सभी व्यापारी सवार थे। अचानक ट्रक में आग लगने और कार के उसमें फंस जाने से आशु और मोनू की मौके पर ही मौत हो गई।

सुमित और ऋषि को तुरंत नज़दीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों के अनुसार दोनों की हालत गंभीर है और उनका उपचार जारी है। परिजनों और स्थानीय लोगों में हादसे को लेकर शोक और भय का माहौल है। जानकारी के अनुसार, जयपुर की तरफ से आ रहे केमिकल से भरे ट्रक का डिवाइडर से टकराने के बाद पलटने के कारण उसमें आग लग गई। ट्रक में रखे रासायनिक पदार्थों के रिसाव की वजह से आग तेजी से फैल गई और सड़क पर आगे-पीछे आने वाले वाहनों के लिए गंभीर खतरा बन गई।

हादसे के समय कार उसी आग की चपेट में आ गई और देखते ही देखते पूरी कार आग के गोले में बदल गई। आग बुझाने के लिए दमकल विभाग को बुलाया गया और मौके पर पहुंचकर उन्होंने आग को नियंत्रित किया। हादसे के बाद पुलिस और स्थानीय प्रशासन ने सड़क को तुरंत बंद कर दिया और घायलों को नज़दीकी अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि ट्रक और कार चालक की सुरक्षा और केमिकल ले जाने वाले वाहन की निगरानी के लिए कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

सड़क हादसों में रासायनिक पदार्थों का ले जाना अत्यंत जोखिम भरा है। प्रशासन को चाहिए कि इन वाहनों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सख्त नियम लागू करे, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं से जान-माल की हानि न हो।

पीआरवी पर तैनात हेड कॉन्स्टेबल के साथ मारपीट, रिपोर्ट दर्ज

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

खोड़ा थाना क्षेत्र में हंगामे की सूचना पर पर पहुंची पीआरवी (पुलिस रेस्पॉन्स

व्हीकल) पर तैनात हेड कॉन्स्टेबल के साथ गाली गलौज और मारपीट का मामला सामने आया है।

घटना 13 सितंबर सुबह की है, पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस की पीआरवी पर तैनात हेड कॉन्स्टेबल रविंद्र कुमार के अनुसार उनकी ड्यूटी सुबह छह बजे से थी। प्रगति विहार में रहने वाली नेहा ने 13 सितंबर की सुबह लगभग सात बजे डायल-112 पर कॉल करके हंगामे की सूचना दी थी। इस सूचना पर उन्हें भेजा गया था।

जब वह मौके पर पहुंचे तो मनोज शराब के नशे में हंगामा कर रहा था। उन्होंने दोनों पक्षों को समझाबुझा कर शांत किया, लेकिन नेहा ने मामले को लेकर रिपोर्ट दर्ज करवाने की बात कही। इस पर उन्होंने पुलिस चौकी पर तहरीर देने के लिए कहा।

रविंद्र कुमार के अनुसार जब वह वहां से लौट रहे थे तो मनोज ने उन्हें गाली देना शुरू कर दिया। उन्होंने मनोज को गाली देने से रोका तो उसने उनके साथ मारपीट कर दी और जान से मारने की धमकी भी दी। इसके बाद उन्होंने खोड़ा थाने में सूचना दी। सीओ इंदिरापुरम अभिषेक श्रीवाश्तव का कहना है कि रविंद्र कुमार की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर मनोज को गिरफ्तार कर लिया गया है।

मिसिंग सेल ने विशेष अभियान के तहत एक महीने में 21 लापता लोगों को तलाशा

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

ऑपरेशन स्माइल के तहत पुलिस ने एक माह के भीतर 21 लापता लोगों को तलाश कर उनके परिवारों में खुशियां लौटाई हैं। अधिकारियों ने सामाजिक संगठनों और अन्य नागरिकों से अपील की है कि वह लापता लोगों के बारे में जानकारी मिलने पर पुलिस को सूचना देकर सहयोग करें।

अपराध शाखा के पुलिस अधिकारी केशव कुमार चौधरी ने बताया कि लापता हुए लोगों की तलाश के लिए पुलिस द्वारा एक विशेष अभियान चलाया गया था। 15 अगस्त से शुरू किए गए इस अभियान में 15 सितंबर तक पुलिस ने कुल 21 लापता लोगों को तलाश कर परिजनों के सुपुर्द किया है। बरामद किए गए व्यक्तियों में छह नाबालिग और नौ महिलाएं शामिल हैं।

एडिशनल सीपी का कहना है कि अभियान का मुख्य उद्देश्य समाज में सुरक्षा और पुलिस के प्रति विश्वास की भावना को पैदा करना है। महिला एवं बाल सुरक्षा को विशेष महत्व देते हुए सभी थाना प्रभारियों व सर्किल ऑफिसर्स को निर्देशित किया गया कि वह गुमशुदा हुए व्यक्तियों के प्रकरण को न सिर्फ गंभीरता से लें, बल्कि ऐसे मामलों में प्रभावी कार्रवाई भी करें।

एडिशनल सीपी ने बताया कि लापता व्यक्तियों की तलाश के लिए पुलिस द्वारा सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई और मोबाइल ट्रैकिंग व सोशल मीडिया मॉनिटरिंग आदि की भी मदद ली गई।

सर्वाधिक नौ लापता ग्रामीण जोन में बरामद हुए एडिशनल सीपी क्राइम ने बताया कि एक माह के अभियान के तहत जो 21 लोग बरामद किए गए हैं, उनमें बरामद लोगों की संख्या ग्रामीण जोन में सर्वाधिक है। एक ओर जहां सिटी जोन में पांच, ट्रांस हिंडन जोन में सात लापता व्यक्ति बरामद हुए हैं। वहीं, ग्रामीण जोन पुलिस ने सर्वाधिक नौ लापता लोगों को सकुशल बरामद किया है। पता चला है कि ज्यादातर नाबालिग अपने परिजनों से नाराज होकर घर से निकल गए थे।

एडिशनल सीपी का कहना है कि लापता को तलाशने में डिजिटल प्लेटफॉर्म और सोशल मीडिया सहायक सिद्ध हुई है। साथ ही उन्होंने लोगों से भी लापता के बारे में पुलिस को सूचना देने की अपील की है। लापता 235 नाबालिगों को तलाशने की है चुनौती सूत्रों की मानें तो लापता लोगों की तलाश के लिए पुलिस आयुक्त जे.रविन्दर गौड ने एक माह पूर्व ही कमिश्नरेट में मिसिंग सेल का गठन किया था। सेल की कमान एसआई लेखराज सिंह को सौंपी गई। यह सेल एएचटीयू थाने के आधीन कार्यरत है।

सेल द्वारा कमिश्नरेट में लापता हुए बच्चों और बालिगों का रिकॉर्ड जांचा गया तो पता चला कि जनपद से साढ़े सात सौ से अधिक लोग लापता चल रहे हैं, जिनमें 235 नाबालिग भी शामिल हैं। लापता बच्चों को तलाशने के लिए न सिर्फ मिसिंग सेल को लगाया गया है, बल्कि संबंधित थानों को भी इसमें मदद के लिए कहा गया है।

सास ने लगाया बहू के परिवारीजन पर लगाया लिंग परीक्षण कर गर्भपात कराने का आरोप

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷

सास ने अपनी बहू के मायके वालों पर आरोप लगाते हुए कहा है कि उसकी बहू 3 माह की गर्भवती थी कुछ दिन पूर्व उसी का भाई पीड़िता सास के घर पर होने पर उनके बिना मर्जी के अपने साथ घर ले गया औऱ वहाँ जाकर लिंग (लड़का लड़की) अवैध तरीके जाँच कराकर बहु का गर्भपात करवा दिया जिसकी शिकायत पीड़िता सास ने नगीना पुलिस को करके बहू के मायके वालों के खिलाफ क़ानूनी कार्रवाई करने की गुहार लगाई है।

लगभग दो सप्ताह पूर्व महिला डेस्क थाना नगीना में शिकायत कर पीड़िता सास ने बहू के मायके वालों पर आरोप लगाया है कि पीड़ति कमलेश के लड़के की शादी दीपा पुत्री विनोद कुमार निवासी ग्राम बेगराजपुर थाना नहटौर के साथ क़रीब डेढ़ वर्ष पूर्व हिन्दू रीति रिवाज के अनुसार सम्पन्न हुई थी। पीड़ति सास अपनी बहू, दीपा को सहप्रेम रखती थी परन्तु बहु के माता पिता व ताऊ पप्पू उसको शिकाते बहकाते थे। पीड़ति की बहु 3 माह की गर्भवती थी और बहु का इलाज यहाँ नगीना में एक प्राइवेट अस्पताल में डा० मंजू के यहाँ से चल रहा था।

लगभग 3 माह पूर्व उसकी बहु को उसी का भाई पीड़िता सास के पीछे बिना पति की मर्जी के घर से ले गया था पीड़िता व उसका लड़का कई बार अपनी बहू को लेने के लिए गये परन्तु उनकी बहु को नहीं भेजा और उनकी बहु का बच्चा उसी के माता पिता व ताऊ पप्पू ने सास के बिना उसकी मर्जी व सहमति के मिसकैरिज करा दिया जिसकी सूचना पीड़ति सास व उसके लड़के को भी नहीं दी गयी।

बहू दीपा का बच्चा गिरवा कर एक जंघनीय अपराध किया है जिसकी शिकायत पीड़ति ने नगीना पुलिस से की और बहू के मायके वालों के विरूद्ध मुकदमा दर्ज करने व कानूनी कार्यवाही किये जाने की गुहार लगाई है।

मिल के टेंकर मे गिरने से दो की मौत

✷ एनसीआर टुडे. धामपुर ✷

जनपद बिजनौर में धामपुर मिल के टेंकर में दो व्यक्तियों का शब मिलने से सनसनी फैल गई।

मिली जानकारी के अनुसार बताया जाता है कि थाना क्षेत्र धामपुर के शुगर मिल में वेस्टेज टैंकर में गैस से दम घुटने से हुई दो की मौत। मृतक ट्रैक्टर चालक मुकेश पाल और सहायक सलमान की टेंकर मे गिरने और दम घुटने से मौत हो गई। टैंकर कैमिकल यूनिट से बायो वेस्टेज लेकर प्लांट में आया था। पुलिस को सूचना दी गई पुलिस ने मौके पर पहुंच कर मृतक के शव को कब्जे में ले कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक के परिजनों ने हत्या का आरोप लगाते हुए हंगामा भी किया।

भाग रहे मैक्स चालक को पकड़कर पीटा

नजीबाबाद। एक्सीडेंट कर भाग रहे मैक्स गाडी के ड्राइवर को मोवतपुर थाना नजीबाबाद के ग्रामीणों ने पकड़कर मार पीट की गई। ग्रामीणो द्वारा बताया गया ड्राइवर शराब के नशे में था और तीन से चार लोगो को मैक्स गाडी से टक्कर मार कर भागा था। तहसील वाले पुल के पास ग्रामीणों ने ड्राइवर को पकडा व ड्राइवर द्वार अपने पक्ष के लोगो को बुलाया व दोनो पक्ष आमने सामने हो गए। विवाद की हालात बनते देख कुछ मिडिया कर्मियों द्वारा पुलिस प्रशासन को अवगत कराया गया।

रेडियोलॉजिस्ट के छुट्टी पर होने से 30 गर्भवतियों की जांच बुधवार को होगी

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

महिला अस्पताल में रेडियोलॉजिस्ट के छुट्टी पर जाने से 30 महिलाओं को बिना अल्ट्रासाउंड जांच के वापस लौटना पड़ा। हालांकि सीएमएस ने खुद कमान संभालते हुए 37 महिलाओं की अल्ट्रासाउंड जांच की।

बाकी महिलाओं को अगले दिन की तारीख दे दी गई। महिला अस्पताल में प्रतिदिन 600 से अधिक महिलाएं उपचार के लिए पहुंच रही है। इसमें से ज्यादातर गर्भवती महिलाओं को डॉक्टर अल्ट्रासाउंड की सलाह देते है। अस्पताल प्रबंधन की मानें तो प्रतिदिन दो मशीन चलने पर 70 महिलाओं का अल्ट्रासाउंड की जा रही है।

लेकिन मंगलवार को अल्ट्रासाउंड कराने के लिए परेशानी का सामना करना पड़ा। महिला अस्पताल के रेडियोलॉजिस्ट डॉ. विवेक लोधी मंगलवार को अवकाश पर चले गए। ऐसे में अल्ट्रासाउंड कराने पहुंची महिलाओं को इंतजार करना पड़ा।

रेडियोलॉजिस्ट के अवकाश पर होने से सीएमएस डॉ अभिषेक त्रिपाठी ने अल्ट्रासाउंड किए। डॉ. अभिषेक त्रिपाठी ने भी सोनोलॉजिस्ट संबंधित कोर्स किया हुआ है।

हालांकि, प्रशासनिक कार्य और मीटिंग होने के चलते वह भी सभी गर्भवती महिलाओं के अल्ट्रासाउंड नहीं कर सकें।

उनके द्वारा 29 एएनसी के साथ 37 महिलाओं के अल्ट्रासाउंड किए। अस्पताल सीएमएस डॉ. अभिषेक त्रिपाठी ने बताया कि बाकी महिलाओं को जांच के लिए बुधवार को बुलाया गया है।

झालू में गूँजी स्वच्छता की शपथ कार्यक्रम की गूँज

✷ एनसीआर टुडे. झालू ✷

नगर में एक कदम स्वच्छता की ओर अभियान के तहत सुबह प्राइमरी स्कूल, कन्या इंटर कॉलेज, हदयानंद इंटर कॉलेज तथा नगर पंचायत कार्यालय में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर विद्यालयों के सैकड़ों छात्र-छात्राओं ने सामूहिक रूप से स्वच्छता शपथ ली और यह संकल्प व्यक्त किया कि वे अपने जीवन में स्वच्छता को सर्वोपरि स्थान देंगे।

प्रातः प्रार्थना सभा में एकत्र बच्चों ने हाथ उठाकर शपथ दोहराई कि वे स्वयं भी गंदगी नहीं करेंगे और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करेंगे। उन्होंने यह भी प्रतिज्ञा की कि हर वर्ष कम से कम 100 घंटे यानी प्रति सप्ताह दो घंटे श्रमदान करेंगे।

अपने परिवार, मोहल्ले, गाँव एवं कार्यस्थल को स्वच्छ रखने में योगदान देंगे। नगर पंचायत के बडे बाबू अनुज अग्रवाल ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कहा कि महात्मा गांधी ने जिस भारत का सपना देखा था।, उसमें स्वच्छता सबसे महत्वपूर्ण आधार था। उन्होंने कहा कि गांधीजी ने जिस तरह देश को गुलामी की जंजीरों से मुक्त कराया।, उसी तरह हम सबका कर्तव्य है कि गंदगी की बेड़ियों से भारत को मुक्त कराएँ।

उन्होंने कहा कि स्वच्छ भारत मिशन केवल सरकारी योजना नहीं, बल्कि यह जनांदोलन है। यदि प्रत्येक नागरिक स्वयं से शुरुआत करे और दूसरों को भी इसके लिए जागरूक बनाए।, निश्चित ही देश के हर गाँव, गली और शहर में स्वच्छता का संदेश फैल जाएगा।

कार्यक्रम में मौजूद अध्यापकों ने भी बच्चों को प्रेरित किया कि वे स्वच्छता की आदत को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाएं। उन्होंने कहा कि भारत को स्वच्छ और विकसित राष्ट्र बनाने के लिए युवा पीढ़ी का सहयोग सबसे महत्वपूर्ण है। बच्चों ने नारे लगाकर और गीतों के माध्यम से स्वच्छता का संदेश दिया। विद्यालय परिसर और आसपास के क्षेत्रों में छात्रों ने झाड़ू लगाकर श्रमदान भी किया। इस दौरान नगर में स्वच्छता के प्रति उत्साह और जागरूकता का माहौल देखने को मिला।

नम आंखों से ज़ाकिर शेख को सुपुर्दे खाक

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷

पूर्व सभासद व नगर समाज सेवी शेख मोहम्मद ज़ाकिर उर्फ छूनन का कल की सुबह हार्ट अटैक से निधन हो गया। बेहद मिलन सार व नेकदिल इंसान तथा लोगों की खिदमत करने वाले थे।

मौत का समाचार सुनते ही नगर में शोक की लहर दौड़ गई और बड़ी संख्या में लोग उनके निवास पर मोहल्ला तार वाला बाग पर पहुंचने शुरू हो गए। शेख मोहम्मद ज़ाकिर को ईशा की नमाज़ के बाद सपुर्द ए खाख कर दिया गया। उनके जनाजे मे चेयरमैन संघ के जिलाध्यक्ष शेख शाहनवाज खलील, समाजसेवी हाजी शेख तंजील आलम, शेख जमशेद, शेख शहराज़ ख़लील,परवेज आदिल माही, पूर्व सभासद अफजाल कुरेशी, सिद्दीक मुल्तानी, सभासद बदर मुनीम, असलम सिद्दीकी, डॉ. मुजम्मिल अजीम, सय्यद आमिर ज़ैदी, सय्यद अलीम ज़ैदी, शेख नौशाद, सभासद जुनैद कुरैशी, शेख शकील अहमद, राशिद उस्मानी, मुनीर आलम, स्नोरा ज़ैदी, आदि हजारों लोग उनके जनाजे में शामिल थे।

गुलदारों का हमला रुकने का नाम ही नहीं ले रहा जोगनपुरी में मचाया गुलदार ने आतंक

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷

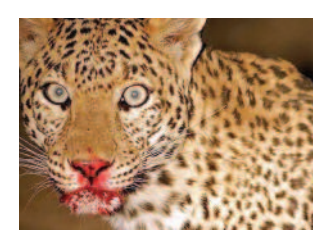

नगीना देहात के स्थानीय बश्ती के साथ साथ पास के ग्राम जोगीरामपुरी में भी गुलदार ने मचाया आतंक रात्रि में एक व्यक्ति के घेर में बंधा हुआ बकरा उठा कर ले गया। दिन छिपते ही अपने घर आ रहे एक व्यापारी का गुलदार ने किया पीछा गुलदार के आतंक से ग्राम जोगीरामपुरी के ग्रामीणों में भी है खौफ का माहौल 3 दिन से दिन छिपते ही दिखाई दे रहा था।

गुलदार एक माह से लगातार रायपुर सादात की काला आम की बश्ती में गुलदार ने आतंक मचा रखा है 3 सप्ताह पूर्व वन विभाग के अधिकारियों ने पिंजरा भी लगाया लेकिन गुलदार अभी तक पिंजरे में कैद नहीं हो पाया पिंजरे में बकरा भी बांधा गया लेकिन चतुर गुलदार पिंजरे के चारों ओर घूम कर चला जाता है लेकिन अपना शिकार खाने के लिए पिंजरे के अंदर नहीं जाता एक माह में गुलदार एक बकरा और एक बकरी तथा दो गाय को अपना निवाला बना चुका है सोमवार की देर शाम करीब 8:00 बजे की घटना है ग्राम जोगी रमपुरी में गुलदार ने अपना एक बकरे को निवाला बना लिया।

लियाकत कस्सार के गन्ने के खेत की बराबर में इदरीस का घेर बना हुआ है जिसके चारों ओर करीब सात-सात फीट ऊंची दीवारें खड़ी है इदरीस देर शाम अपने तीन बकरी बकरे घेर में बांधकर खाना खाने के लिए पड़ोस में ही अपने घर चला गया।

इसी दौरान ग्राम जोगीरामपुरी निवासी अंसार पुत्र मुख्तार जो जोगीरमपुरी के बस स्टैंड पर चाय मिठाई की दुकान करता है।

वह अपनी बाइक से छोटी नहर की पटरी से होता हुआ घर आ रहा था घटना रात्रि करीब 8:00 बजे की है लियाकत कस्सार के गन्ने के खेत की बराबर में नहर की पटरी पर गुलदार पड़ा हुआ उसे दिखाई दिया वह बाइक छोड़कर भाग खड़ा हुआ।

तभी ग्रामीण गुलदार की तलाश में इधर-उधर रात्रि में भटकते रहे गुलदार का खौफ इतना था कि लोग गांव में जागने को मजबूर हो गए रात्रि जब 8:00 बजे अंसार ने गुलदार का शोर मचाया तो इदरीस ने जाकर अपने घर में देखा तो उसका करीब 2 साल का बकरा गायब था लोगों ने बकरे को काफी तलाश किया लेकिन नहीं मिला सवेरे तलाश करने पर लियाकत कस्सार के गन्ने के खेत में पिछला धड़ खाया गया बकरा पड़ा मिला।

गांव में बकरे को देखने के लिए भीड़ उमड़ पड़ी तभी पूर्व ग्राम प्रधान तथा वर्तमान जिला पंचायत सदस्य मोहम्मद रफी अंसारी ने गुलदार के द्वारा की गई घटना की सूचना नजीबाबाद के वन अधिकारी डिप्टी डेंजर को दी वन अधिकारियों ने आश्वासन दिया वह गांव में गुलदार को पकड़ने के लिए पिंजरा लगा देंगे ग्रामीणों ने वन अधिकारियों से पिंजरा लगाकर गुलदार को पकड़ने की मांग की है।

दिन छिपते ही ग्राम जोगीरमपुरी में इदरीश नामक व्यक्ति का गुलदार उठा ले गया बकरा घटनास्थ का निरीक्षण करते हलका इंचार्ज वन दरोगा परशुराम के साथ ग्रामीण तथा जिला पंचायत सदस्य मोहम्मद रफी अंसारी रहें

श्रीमद्भागवत कथा में उमड़े श्रद्धालु, व्यास पीठ से गूँजी भक्ति रसधारा

✷ एनसीआर टुडे. झालू ✷

नगर में चल रही श्रीमद्भागवत कथा में प्रतिदिन श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ रही है। श्री वृंदावन धाम आश्रम गोरक्षमणि मथुरा के प्रख्यात कथावाचक व्यास श्री जितेंद्र वशिष्ठ जी महाराज के श्रीमुख से अमृतमयी कथा श्रवण कर भक्तगण आध्यात्मिक आनंद की अनुभूति कर रहे हैं।

कथा के प्रथम दिवस व्यास जी ने भागवत महिमा और व्यास पीठ की महत्ता का विश्तार से वर्णन किया।

द्वितीय दिवस पर भक्तों को धुंधकारी मोक्ष कथा और महाभारत लीला का रसपान कराया गया। तृतीय दिवस पर उन्होंने सुखदेव जी के जन्म, भगवान विष्णु के विविध अवतारों तथा शिव-पार्वती विवाह का मनोहारी वर्णन प्रस्तुत कर वातावरण को भक्तिमय बना दिया।

कथा स्थल पर प्रतिदिन बड़ी संख्या में महिलाएं और पुरुष पहुँचकर श्रद्धा भाव से कथा का श्रवण कर रहे हैं। कथा के दौरान भक्तजन भजन-कीर्तन में भाव विभोर हो उठते हैं।

संध्या 5:30 बजे आरती के पश्चात प्रसाद वितरण किया जाता है, जिसमें सभी श्रद्धालु शामिल होकर पुण्य लाभ प्राप्त करते हैं। इस अवसर पर मुख्य यजमान वीरेंद्र सिंह सा तथा यजमान अरविंद लंबा परिवार सहित आरती में सम्मिलित रहे।

आयोजकों ने श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में कथा स्थल पर पहुँचकर भगवान की कथामृत का रसपान करने का आह्वान किया है।

संपादकीय

इजरायल-फिलिस्तीन मुद्दे पर वैश्विक समर्थन : फिलिस्तीन के साथ

संयुक्त राष्ट्र महासभा ने फिलिश्तीन समस्या के शांतिपूर्ण समाधान के लिए द्वि-राष्ट्र समाधान का समर्थन करने वाले न्यूयॉर्क घोषणापत्र को मंजूरी दे दी, जिसका भारत सहित 142 अन्य देशों ने भी समर्थन किया। फ्रांस और सऊदी अरब के प्रोत्साहन से, इस पहल का उद्देश्य मध्य पूर्व में शांति की दिशा में एक मार्ग प्रशशत करना है। संयुक्त राष्ट्र की स्क्रीन पर प्रदर्शित मतदान परिणामों के अनुसार, इस प्रश्ताव का 142 देशों ने समर्थन किया, 10 ने इसका विरोध किया और 12 देशों ने मतदान में भाग नहीं लिया।

इस मामले में भारत का रुख एक संप्रभु, स्वतंत्र और व्यवहार्य फिलिश्तीन राज्य की स्थापना का समर्थन करना है, जो मान्यता प्राप्त सीमाओं के भीतर एक सुरक्षित इजराइल राज्य के साथ शांतिपूर्वक रह सके। इस प्रशताव में अक्टूबर 2023 में हमास द्वारा इजरायल पर किए गए हमले की निंदा की गई, जिसमें 1200 लोगों की मौत हुई थी और 250 से अधिक लोग बंधक बनाए गए थे। इसके साथ-साथ प्रशताव में गाजा में इजरायल की जवाबी कार्रवाई की भी आलोचना की, जिसमें नागरिक बर्बादी, इंफ्रास्ट्रक्चर की तबाही, नाकेबंदी और भुखमरी की वजह से पैदा हुए मानवीय संकट का भी जिक्र किया गया।, प्रशताव में इजरायल से यह भी आग्रह किया गया कि वह दो-राज्य समाधान (टू-स्टेट सॉल्यूशन) के लिए स्पष्ट प्रतिबद्धता व्यक्त करे। साथ ही सभी हिंसक कदमों पर तुरंत ब्रेक लगाए।

कब्जे वाले फिलिश्तीनी क्षेत्रों में नई बशितयों और जमीन पर कब्जा न करने का वादा करे। पूर्वी येरूशलम समेत किसी भी भाग को जोड़ने या विशतार करने की नीति से सार्वजनिक रूप से इनकार करे। इजरायली विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ओरेन मार्मोरस्टीन ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि एक बार फिर यह साबित हो गया है कि संयुक्त राष्ट्र महासभा वाशतविकता से कितनी दूर एक राजनीतिक सर्कस है। इस प्रशताव में एक बार भी इस बात का उल्लेख नहीं है कि हमास एक आतंकवादी संगठन है. वहीं, अमेरिकी डिप्लोमैट मॉर्गन ऑरटागस ने इसे हमास को सहयोग देने वाला राजनीतिक दिखावा बताया। परिणाम पर विचार करते हुए, फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने एक्स पर एक पोस्ट में करते हुए लिखा आज, फ्रांस और सऊदी अरब के प्रोत्साहन से, 142 देशों ने द्वि-राज्य समाधान के कार्यान्वयन पर न्यूयॉर्क घोषणापत्र को अपनाया है।

हम सब मिलकर मध्य पूर्व में शांति की दिशा में एक अपरिवर्तनीय मार्ग तैयार कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि फ्रांस, सऊदी अरब और उनके सहयोगी न्यूयॉर्क में होने वाले द्वि-राष्ट्र समाधान सम्मेलन में सक्रिय रूप से भाग लेंगे। मैक्रों ने कहा कि फ्रांस, सऊदी अरब और उनके सभी सहयोगी द्वि-राष्ट्र समाधान सम्मेलन में इस शांति योजना को मूर्त रूप देने के लिए न्यूयॉर्क में मौजूद रहेंगे। स्थायी शांति के दृष्टिकोण पर प्रकाश डालते हुए, मैक्रों ने आगे कहा कि एक और भविष्य संभव है। सके अलावा मैक्रों ने अमेरिका से फिलिश्तीनी अधिकारियों को वीजा देने से इनकार करने के अपने फैसले को वापस लेने का आह्वान किया और इस कदम को अस्वीकार्य बताया। साथ ही, उन्होंने मेजबान देश समझौते के अनुसार सम्मेलन में फिलिश्तीनी प्रतिनिधित्व के महत्व पर जोर दिया। फ्रांसीसी राष्ट्रपति ने कहा कि मैंने अभी सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस से बात की है।

अमेरिका पूरी दुनिया में अशांति फैलाकर राजनीतिक अस्थिरता को बनाए रखने के लिए तमाम तरह के प्रयास करता रहता है, जहां इज़रायल के खिलाफ़ पूरी दुनिया ने वोट किया वहीँ उसके हमलों के लिए उसकी निंदा की, परंतु अमेरिका अपनी अलग ही हनक पाले हुए हैं। एक न एक दिन अमेरिका अपनी दोगली नीतियों के कारण अकेले रह जाएगा। भारत हमेशा ही शांति एवं किसी भी देश की संप्रभुता का हिमायती रहा है, भारत ने कभी भी अमेरिका, रूस, चाईना से प्रभावित होकर गलत का साथ नहीं दिया। भारत हमेशा से ही गुटनिरपेक्ष नीति का समर्थक रहा है।

एक बार फिर से सिद्ध हो गया है कि इजरायल अमेरिका के पिट्ठुओं में शुमार है जो अमेरिका की गलत नीतियों का झंडाबरदार बनने की ओर अग्रसर है। अमेरिका ने यूक्रेन को नष्ट होने की कगार पर छोड़ रखा है, आज यूक्रेन रूस की मार झेल रहा है, यूक्रेन को समझना चाहिए था कि अमेरिका खुलकर कभी भी किसी का साथ नहीं देगा। वहीँ अब इजरायल को भी उसी मुहाने पर लेकर जाने के लालायित है। इजरायल अगर अमेरिका की नीतियों को ढोता रहा तो एक न एक दिन यूक्रेन जैसी हालत हो जाएगी।

वहीँ अमेरिका के सनकी राष्ट्रपति ट्रंप को कड़ा संदेश मिल गया होगा कि उनकी गलत नीतियों के पीछे भारत नहीं भागेगा, भारत हमेशा शांति, संप्रभुता के साथ खड़ा रहेगा। साथ ही हमारे देश के कुछ कट्टर लोगों को अपनी सोच पर काबू करना चाहिए जो हमेशा इजरायल के झंडे उठाए घूमते रहते हैं, उन्हें बाज आना चाहिए। एक बार देश में सरकार को अपना पक्ष रखना चाहिए कि हमारी इजरायल से मित्रता का मतलब फिलिश्तीन में हो रहे मानवाधिकारों के उल्लंघन का साथ देना न कभी था, और न होगा। इजरायल -फिलिश्तीन के मुद्दे पर हमेशा भारत फिलश्तीन के साथ रहा है, चूंकि अब तक फिलश्तीन के साथ जो हुआ है वो दुःखद है, अब इज़रायल को अपनी जिद छोड़ देनी चाहिए, क्योंकि पुरी दुनिया ने उसे आईना दिखाया है।

धिक्कार दिवस

मोदी सरकार के कारण देश भर के लघु और मझोले समाचार पत्र बेहद बुरे दौर से गुजर रहा है। केंद्र सरकार की प्रिंट मीडिय विज्ञापन नीति 2016 और 2020 लागू होने के कारण देश का प्रेस गोदी मीडिया में बदल रहा गया। इसकी पुरी जिम्मेदारी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी सरकार की है। आज श्री मोदी का जन्मदिन है। जिसे है हमने धिक्कार दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया है। बीते 8 साल में मोदी सरकार में बड़े समाचार पत्र समूह और चैनलों को पालतु बनाने के लिए दोनों हाथों से करोड़ों रुपए का विज्ञापन बांटने का काम किया।

अध्यक्ष
इंडीपेंडेट न्यूज पेपर्स एसोसिएशन (INA)

जहाज निर्माण कारोबार की संभावनाएं

डा. अश्विनी महाजन

जब भारत 2047 तक विकसित देश बनने की आकांक्षा रखता है, ऐसे में एक मजबूत समुद्री प्रणाली विकसित किए बिना यह संभव नहीं हो सकता है। हाल के दिनों में इस क्षेत्र में कुछ विकास के बावजूद, लक्ष्य बहुत दूर है।

स्वतंत्रता के बाद, हालांकि कुछ बंदरगाहों के नवीनीकरण, जहाज निर्माण और प्रमुख बंदरगाहों के आसपास बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए कुछ प्रयास किए गए, फिर भी भारत दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में पिछड़ा रहा। केवल बंदरगाहों के मामले में ही नहीं, जहाज निर्माण के मामले में भी हम अन्य प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं से पिछड़ गए।

जहाज वहन क्षमता की बात करें तो इसमें भी भारत का योगदान बहुत ही मामूली है। दिसंबर 2023 तक, वैश्विक जहाज स्वामित्व में भारत का हिस्सा केवल 1.2 फीसदी है, जबकि ग्रीस का 17.8, चीन का 12.8 और जापान का 10.8 फीसदी है। इसके अलावा दुनिया के केवल 0.77 फीसदी जहाज ही भारतीय ध्वज के तहत पंजीकृत हैं। भारत की समुद्री परंपरा दुनिया की सबसे प्राचीन परंपराओं में से एक है। भारत के उच्च औद्योगिक विकास एवं अंतरराष्ट्रीय व्यापार में हमारी 7500 किलोमीटर लंबी तटरेखा और हिंद महासागर में केंद्रीय स्थिति की विशेष भूमिका रही है।

सिंधु घाटी सभ्यता के साक्ष्य लोथल में बंदरगाह और मेसोपोटामिया के साथ व्यापार को दर्शाते हैं, जहां सूती वस्त्र, मनके और हाथीदांत का धातुओं और घोड़ों के बदले आदान-प्रदान होता था। वैदिक काल में भी, समुद्री यात्रा सुप्रसिद्ध थी, ऋग्वेद और महाकाव्यों में जहाजों और यात्राओं का वर्णन मिलता है।

मौर्य काल (321-185 ईसा पूर्व) तक, समुद्री व्यापार राज्य द्वारा नियंत्रित था, जैसा कि कौटिल्य के अर्थशास्त्र में देखा जा सकता है। ताम्रलिप्ति, भरूच और सोपारा जैसे बंदरगाह भारत को भूमध्य सागर और दक्षिण-पूर्व एशिया से जोड़ते थे। दक्षिणी राजवंशों, विशेषकर चोलों (9वीं-13वीं शताब्दी) ने एक दुर्जेय नौसेना का निर्माण किया। मध्यकाल (13वीं-15वीं शताब्दी) में, कालीकट, कैम्बे और सूरत जैसे बंदरगाह हिंद महासागर क्षेत्र में फल-फूल रहे थे, जो अरब, फारसी और चीनी व्यापारियों को आकर्षित कर रहे थे। भारत मसालों, वस्त्रों और रत्नों का निर्यात करता था, जबकि घोड़े, सोना और चांदी का आयात करता था।

1498 में पुर्तगालियों के आगमन के साथ, भारत का समुद्री प्रभुत्व कम हो गया, क्योंकि यूरोपीय शक्तियों ने धीरे-धीरे मसाला व्यापार पर एकाधिकार कर लिया। लेकिन औपनिवेशिक शासन से पहले सहस्राब्दियों तक, भारत एक समुद्री महाशक्ति बना रहा, जिसने पूरे एशिया और उसके बाहर व्यापार, संस्कृति और सभ्यता को प्रभावित किया। हाल ही में, केंद्र सरकार ने भारत में जहाज निर्माण को बढ़ावा देने के लिए कई पहल की हैं और कई नीतिगत उपाय भी लागू किए हैं। उम्मीद है कि जल्द ही बड़े जहाज निर्माण को बुनियादी ढांचा का दर्जा दिया जाएगा, जिससे कंपनियों को बेहतर शर्तों पर वित्तपोषण प्राप्त हो सकेगा। इससे भारत में जहाज निर्माण में आसानी होगी और भारतीय शिपयार्ड संचालन को बढ़ावा मिलेगा। जहाज निर्माण और संबंधित बुनियादी ढांचे के लिए दीर्घकालिक, कम लागत वाला वित्त प्रदान करने हेतु 250 अरब रुपए (लगभग 2.9 अरब डॉलर) का एक समर्पित कोष भी शुरू किया गया है।

जहाज निर्माण और जहाज तोडऩे में उपयोग होने वाले इनपुट पर आयात शुल्क अगले 10 वर्षों के लिए माफ कर दिया गया है, जिससे घरेलू कंपनियों की लागत कम हो गई है। शिप-ब्रेकिंग क्रेडिट नोट योजना एक पहल है, जो क्रेडिट नोट जारी करके भारतीय यार्डों में पुराने जहाजों को तोडऩे के लिए प्रोत्साहित करती है, जिससे बेड़े के नवीनीकरण को बढ़ावा मिलता

है और स्थिरता को बढ़ावा मिलता है।

भारत के 7500 किलोमीटर से ज्यादा लंबे समुद्र तट को देखते हुए, समुद्री क्षेत्र भारत के व्यापार के लिए महत्वपूर्ण है।

आज, मात्रा के हिसाब से 95 प्रतिशत और मूल्य के हिसाब से 70 प्रतिशत व्यापार समुद्री मार्गों से होता है। फिर भी, अपने सामरिक महत्व के बावजूद भारत जहाजों के लिए विदेशी देशों पर बहुत अधिक निर्भर है, जिसके परिणामस्वरूप परिवहन लागत बढ़ रही है और यह हमारे सामरिक हितों के भी विरुद्ध है।

भारत का जहाज निर्माण उद्योग न केवल समुद्री व्यापार के लिए, बल्कि देश की रक्षा तैयारियों के लिए भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसमें परिवहन, रक्षा और वाणिज्य के लिए उपयोग किए जाने वाले जहाजों का निर्माण, मरम्मत और रखरखाव शामिल है।

हाल ही में विकास : भारत का जहाज निर्माण उद्योग 2022 में लगभग 9 करोड़ अमरीकी डॉलर से बढक़र 2024 में 1.12 अरब अमरीकी डॉलर हो गया है, और अनुमान है कि 2033 तक यह उद्योग अरब अमरीकी डॉलर तक पहुंच सकता है, जो कि 60 फीसदी की उल्लेखनीय वृद्धि है।

हालांकि, देश अभी भी वैश्विक जहाज निर्माण क्षेत्र में बहुत छोटा स्थान रखता है। 1 फीसदी से भी कम बाजार हिस्सेदारी के साथ 22वें स्थान पर है। इसकी तुलना में, चीन, दक्षिण कोरिया और जापान मिलकर वैश्विक जहाज निर्माण बाजार के 93 फीसदी हिस्से पर कब्जा बनाए हुए हैं। सरकार का लक्ष्य है कि भारत 2030 तक शीर्ष 10 जहाज निर्माण राष्ट्रों में शामिल हो जाए, और मैरीटाइम इंडिया विजन 2030 और अमृत काल विजन 2047 के तहत 2047 तक भारत शीर्ष 5 में शामिल होने की आकांक्षा रखता है। लेकिन इस क्षेत्र में एक महाशक्ति होना कोई आसान काम नहीं है। सबसे पहली चुनौती उच्च बुनियादी ढांचा लागत की है। जहाज निर्माण एक पूंजी प्रधान उद्योग है जिसके लिए शिपयार्ड में महत्वपूर्ण निवेश की आवश्यकता होती है।

लंबी परिपक्वता अवधि और अनिश्चित प्रतिफल के कारण, यह क्षेत्र कई निवेशकों को जोखिम भरा लगता है। दूसरे, लंबे समय तक इस उद्योग में अधिक गतिविधि न होने के कारण भारत में प्रौद्योगिकी पुरानी है और कुशल जन शक्ति का अभाव है, जिसके कारण वैश्विक प्रतिस्पर्धा कठिन हो जाती है। तीसरे, इस क्षेत्र में आपूर्ति श्रृंखला व्यवधान भारत में जहाज निर्माण हेतु प्रमुख बाधा है। यह उद्योग इंजन, प्रणोदन प्रणाली और नेविगेशन उपकरण जैसे महत्वपूर्ण घटकों के लिए आयात पर बहुत अधिक निर्भर करता है। इससे न केवल लागत बढ़ती है और समय सीमा में देरी होती है, बल्कि वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला के झटके भी इसे अत्यधिक प्रभावित करते हैं। चौथे, चीन, दक्षिण कोरिया और जापान जैसे प्रतिस्पर्धियों की तुलना में, भारतीय शिपयार्ड को 25-30 फीसदी अधिक लागत का सामना करना पड़ता है। श्रम उत्पादकता, महंगा वित्त और घरेलू श्तर पर उच्च-श्रेणी के स्टील और अन्य सामग्रियों की सीमित उपलब्धता इसके प्रमुख कारण हैं। जहां इस क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धियों को मजबूत सरकारी समर्थन और प्रोत्साहन प्राप्त हैं, भारत में पर्यावरणीय नियम, प्रत्यक्ष सबसिडी का अभाव और उच्च ब्याज दरें इस क्षेत्र के विकास में बाधा डाल रही हैं।

जहां भारत के लिए अपनी लॉजिस्टिक लागत कम करने और स्वयं को सामरिक दृष्टि से मजबूत बनाने हेतु जहाज निर्माण और जहाजरानी क्षेत्र अत्यंत महत्व का है, इन कमजोरियों के कारण भारत का यह महत्वपूर्ण क्षेत्र विकास से अछूता रह गया, उन्हें दुरुश्त करने की आवश्यकता है।

यह क्षेत्र स्वदेशी युद्धपोतों के निर्माण, उन्नत तकनीकों को अपनाने और विदेशी सैन्य उपकरणों पर निर्भरता कम करने की ओर एक महत्वपूर्ण भूमिका रखता है। बहरहाल, जहाज निर्माण और मरम्मत के बुनियादी ढांचे में निवेश और प्रौद्योगिकी हश्तांतरण के लिए दक्षिण कोरिया और जापान जैसे देशों के साथ रणनीतिक साझेदारी की आवश्यकता होगी।

(लेखक पूर्व कालेज प्रोफेसर है)

भारतीय राजनीति के शलाका पुरूष मोदी जी के नेतृत्व में आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर भारत

सुरेश पचौरी

यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का 17 सितंबर को 75 वां जन्मदिवस है। गुजरात के मेहसाणा जिले के एक छोटे से गांव बड़नगर से शुरू हुई उनकी जीवन यात्रा में आए तमाम उतार-चढ़ाव के बीच अपनी लगन, निष्ठा, परिश्रम, त्याग, दृढ़ इच्छाशक्ति और राष्ट्रप्रेम के चलते वे भारतीय राजनीति के शलाका पुरूष बन चुके हैं। वे आज सिर्फ भारत के प्रधानमंत्री के रूप में ही नहीं जाने-पहचाने जाते, वरन आज वे विश्व के अग्रणी शीर्ष नेताओं में सम्मिलित हो चुके हैं।

नरेन्द्र मोदी का जीवन संघर्ष की गाथा से भरा हुआ है, वस्तुतः वे संघर्षो की उपज हैं। वे ऐसे तपे-तपाए जननेता हैं, जिनमें कुंदन की कठोरता भी है और चंदन की शीतलता भी विद्यमान है। उनके चिंतन में राष्ट्र, राष्ट्रबोध एवं राष्ट्रहित सर्वोपरि है और इसी उदात्त भावना से ओतप्रोत होकर उन्होंने किशोरावस्था में अपना घर-द्वार छोड़कर जनसेवा की ओर जो कदम बढ़ाए, वे आज तक नहीं रूके।

प्रधानमंत्री के रूप में विगत 11 वर्षों के दौरान मोदी जी ने भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए उन कार्ययोजनाओं को अमली जामा पहनाया, जिसका भाजपा चुनाव घोषणा पत्र में वादा किया गया था। चाहे वह सामाजिक-आर्थिक बदलाव हों, चाहे प्राकृतिक संसाधनों, खनिजों, सांस्कृतिक धरोहरों आदि का संरक्षण हो या फिर देश के किसानों के कल्याण के लिए कृषि पर आधारित अर्थव्यवस्था हो, सब पर विशेष ध्यान दिया गया। महिला सशक्तिकरण की दिशा में मोदी सरकार द्वारा अनेक योजनाएं चलाई जा रही हैं, जिससे करोड़ों महिलाओं को लाभ मिल रहा है। मोदी जी के मार्गदर्शन में युवाओं में नवाचार और आत्मनिर्भरता की भावना बढ़ाने के लिए स्टार्टअप इंडिया, स्टैंड अप इंडिया और डिजिटल स्किल इंडिया जैसी योजनाओं का सूत्रपात हुआ है। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ, सुकन्या समृद्धि योजना और महिला स्व सहायता समूहों को सशक्त कर उन्होंने सकारात्मक परिवर्तन की दिशा में परिणाममूलक कदम उठाए।

नरेन्द्र मोदी के ग्यारह वर्षों के प्रधानमंत्री के कार्यकाल पर नजर दौड़ाएं तो बहुत स्पष्ट दिखता है कि इस दौरान देश ने प्रगति की दिशा में तेज रफ्तार पकड़ी, आम आदमी के जीवन में खुशहाली आई, समाज के कमजोर वर्गों के लोगों के जीवन में सुधार आया, देश की अर्थव्यवस्था बेहतर हुई, दुनिया में भारत के मान-सम्मान में वृद्धि हुई, पड़ोसी दुश्मन देश पाकिश्तान को ऑपरेशन सिन्दूर के दौरान मुंह की खानी पड़ी और सबसे बड़ी बात तो यह कि अमेरिका जैसा संप्रभुता संपन्न राष्ट्र मोदी जी के कसीदे पढ़ने लगा। श्री मोदी देश हित में इतने दृढ़ प्रतिज्ञ हैं कि दुनिया की कोई ताकत आज तक उन्हें सिद्धांतों से न तो डिगा सकी है और न ही झुका सकी है।

उनका यह आत्मबल न सिर्फ करोड़ों भारतवासियों बल्कि विश्व के दीगर मुल्कों में रहने वाले भारतवासियों को संबल प्रदान करता है। 'यह नया भारत है, दुश्मन को उसके घर में घुसकर मारता है', ऐसे सिंहनाद से देश का आम जनमानस खुद को सुरक्षित तो महसूस करता ही है, साथ ही नये भारत की उपलब्धियों पर उसे गर्व भी होता है।

निःसंदेह, प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत विश्व की तीसरी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। देश में चहुंमुखी प्रगति हो रही है। हमारी जीडीपी की दर भी संतोषजनक है। रोजगार के अवसर भी बढ़े हैं। देश विरोधियों और भ्रष्टाचारियों के विरूद्ध जीरो टॉलरेंस की नीति परिणाममूलक है। देश की सीमाएं सुरक्षित हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के टैरिफ की काट के लिए मोदी जी द्वारा स्वदेशी अपनाने का जो आह्वान किया गया, लोगों का इस दिशा में झुकाव बढ़ रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी ने सरकार की योजनाओं के केन्द्र बिन्दु में हमेशा 'आम आदमी' को रखा। इस सोच के साथ गरीब कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई। मसलन, प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत देश के करोड़ों परिवारों को पक्के घर दिए गये। स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत लाखों शौचालयों का खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में निर्माण कराया गया।

उज्जवला योजना के माध्यम से गरीब महिलाओं को मुफ्त गैस कनेक्शन प्रदान कर उनके स्वास्थ्य और गरिमा की रक्षा की। बेहतर स्वास्थ्य सुविधा के मद्देनजर आयुष्मान भारत योजना शुरू की गई, जिससे 50 करोड़ से अधिक लोगों को स्वास्थ्य बीमा का सुरक्षा कवच मिला।

जल जीवन मिशन से हर घर को नल से जल उपलब्ध कराने की दिशा में ऐतिहासिक कार्य किया जा रहा है। आधारभूत संरचना की बात की जाये तो प्रधानमंत्री ने इसे राष्ट्र की रीढ़ मानते हुए इसमें भारी निवेश किया। सड़कों, रेलवे, बंदरगाहों, हवाई अड्डों और डिजिटलीकरण में उल्लेखनीय प्रगति देखने को मिल रही है। ग्रामीण भारत में मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता के साथ-साथ शहरी क्षेत्रों में मेट्रो और स्मार्ट सिटी जैसी योजनाएं मूर्तरूप ले रही हैं। मोदी की दृष्टि में देश का अन्नदाता किसान सदैव प्राथमिकता में रहा है। उन्होंने किसानों की आर्थिक दशा सुधारने के लिए अनेक योजनाओं का प्रावधान किया। उनकी सोच बहुत स्पष्ट है कि कृषि आजीविका का साधन मात्र न रहे, बल्कि यह लाभ का व्यवसाय बने। फिलहाल किसानों के सम्मान स्वरूप उन्हें दी जाने वाली प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि से सालाना 6 हजार रूपये की सीधी सहायता दी जा रही है।

ई-नाम पोर्टल द्वारा कृषि मंडियों को ऑनलाइन जोड़ा गया है, जिससे लाखों किसान लाभान्वित हो रहे हैं। मृदा स्वास्थ्य कार्ड, परम्परागत कृषि विकास योजनाओं जैसी जनहितैषी पहल से उत्पादन और गुणवत्ता में सुधार हुआ है। श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में देश में रेल नेटवर्क का व्यापक विश्तार हो रहा है। जम्मू-कश्मीर सहित पूर्वोत्तर राज्यों में अभूतपूर्व रेल क्रांति दिखाई दे रही है। ये राज्य पर्यटन के नक्शे में प्रमुखता से दर्ज होने लगे हैं, मिजोरम जैस दुर्गम एवं पहाड़ी राज्य में बैराबी–सैरांग रेल परियोजना मिजोरम को पहली बार रेल नेटवर्क से जोड़ने वाली ऐतिहासिक उपलब्धि है।

मोदी सरकार के कार्यकाल में राष्ट्रीय सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। रक्षा विनिर्माण के क्षेत्र में देश तेजी से आगे बढ़ रहा है। ऑपरेशन सिन्दूर के बाद तो भारत रक्षा मामलों में विश्व का सिरमौर बन गया है। भारत आज रूस, अमेरिका, फ्रांस सहित 100 से अधिक देशों को सैन्य हथियार और रक्षा उपकरण निर्यात कर रहा है।

रक्षा मंत्रालय की तरफ से वित्तीय वर्ष 2023-2024 के द्वारा जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार साल 2004 से 2014 तक जो एक्सपोर्ट मात्र 4,312 करोड़ का हुआ करता था, वह 2014-2024 में बढ़कर 88,319 करोड़ रुपये तक पहुंच गया, पिछले दस साल में यह रफ्तार इतनी तेजी से बढी कि अब तक के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए।

श्री मोदी ने भारत की सैन्य शक्ति को सदैव न केवल प्रोत्साहित किया बल्कि रक्षा निर्यात को बढ़ाने पर बल दिया। आज भारत का डिफेंस एक्सपोर्ट 23,622 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है. रक्षा मंत्रालय की तरफ से जारी किए गए आंकड़ों में बताया गया है कि वित्तीय वर्ष 2024-25 में भारत का डिफेंस एक्सपोर्ट पिछले साल के मुकाबले 12.04 प्रतिशत बढ़ा है। साल 2023-2024 में डिफेंस एक्सपोर्ट 21,083 करोड़ रुपये था, इसमें 2539 करोड़ का इजाफा हुआ है।

प्रधानमंत्री मोदी ने विगत 11 वर्षों के दौरान भारत को गौरवशाली भारत बनाने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी। उन्होंने 12 बार लाल किले पर तिरंगा फहराया, जो एक मजबूत, स्थिर और दूरदर्शी नेतृत्व का प्रतीक है। उनकी सरकार 25 करोड़ भारतीयों को गरीबी रेखा से बाहर लाई। यह 'नये भारत' की वास्तविक तस्वीर है। रक्षा उत्पादन में 175 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो आत्मनिर्भर भारत की दिशा में ऐतिहासिक कदम है। रक्षा निर्यात में 30 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, स्वदेशी के प्रति मोदी जी की पक्षधरता जगजाहिर है, फलतः देश की 65 प्रतिशत रक्षा आवश्यकताएं अब भारत में पूरी हो रही हैं।

एक साधारण परिवार में जन्में तथा गांव के परिवेश में पले-बड़े नरेन्द्र मोदी का जीवन प्रेरणास्पद है। उनकी सोच में एक ऐसा भारत बसता है, जिसकी पहचान वर्ष 2047 तक 'विकसित भारत' के रूप में बनें। उन्होंने हमेशा कहा - 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' इसी मूल मंत्र के साथ उनके नेतृत्व में केन्द्र सरकार ने हर वर्ग को साथ लेकर चलने की नीति अपनाई, जिसका सुखद परिणाम देखने को मिल रहा है।

दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश के कर्णधार नरेन्द्र मोदी सर्वाधिक अवधि तक प्रधानमंत्री पद को सुशोभित करने वाले दूसरे प्रधानमंत्री हैं। उन्हें सर्वाधिक कार्यकाल तक गैर कांग्रेसी प्रधानमंत्री होने का सौभाग्य प्राप्त है। उनकी राजनैतिक यात्रा पर विहंगम दृष्टि डालें तो वे एक अविश्रांत, अविचल, ध्येयनिष्ठ व कर्मयोगी पथिक के रूप में नजर आते हैं, जिनका लक्ष्य है समाज की अंतिम पंक्ति में बैठे व्यक्ति के आंसू पोंछना और मोदी जी 'कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन' की भावना के साथ अपने ध्येय के प्रति समर्पित हैं।

आज संपूर्ण विश्व में मोदी जी की ख्याति गूंज रही है। वे जिस भी देश के दौरे पर जाते हैं, उस देश के सर्वोच्च सम्मान से नवाजे जाते हैं। वैश्विक प्रभावी नेता की छवि बना चुके श्री नरेन्द्र मोदी की लोकप्रियता तथा प्रभुत्व का यह आलम है कि दुनिया के 27 देश उन्हें अपने देश के प्रतिष्ठापूर्ण शिखर सम्मान से सम्मानित कर चुके हैं। उनके पास जनविश्वास की सबसे बड़ी पूंजी है और यही वजह है कि भारत की जनता ने उनके ऊपर भरोसा जताते हुए तीसरी बार उन्हें प्रधानमंत्री के रूप में सत्ता के सबसे उच्च आसन पर आरूढ़ किया। मोदी जी को उनके 75वें जन्मदिवस के शुभ प्रसंग पर कोटिशः बधाई, अनंत आत्मीय मंगलकामनाएं एवं हार्दिक अभिनंदन।

(लेखक भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता तथा पूर्व केन्द्रीय मंत्री हैं)

नेपाल से सबक : वंशवादी राजनीति से बचे भारत

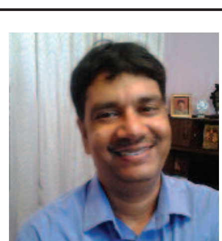

अर्जुन देशप्रेमी

नेपाल में कथित क्रांति को लेकर पिछले एक सप्ताह के दौरान बहुत कुछ लिखा गया है और कहा गया है। भारत को इससे सबक लेने की बातें भी कही जा रही हैं। भारत की नरेन्द्र मोदी सरकार और नरेन्द्र मोदी को खासकर नसीहतें दी जा रही हैं। और यह सही भी है कि सरकार को नेपाल के पिछले हफ्ते से घटनाक्रम से सबक लेना भी चाहिए।

खासकर बेरोजगारी, और वंशवाद की राजनीति से क्योंकि भाजपा के भीतर भी वंशवाद की जड़ें हैं और वह देर सबेर भाजपा के लिए खतरनाक भी हो सकती है। दरअसल नेपाल में जो कुछ भी हुआ है, उसके पीछे का कारण वंशवाद यानि अपने अपने बच्चों को ही सबकुछ देने, उनको आगे बढ़ाने की प्रवृति का ही परिणाम है।

इसे 'नेपोकिड्स' का नाम दिया गया है और इसी के खिलाफ नेपाल पूरी तरह से जला है। इस बात को स्वयं नेपाल की नवनियुक्त प्रधानमंत्री सुशीला कार्की ने 15 सितम्बर को अपने बयान में स्वीकारा भी है। चूँकि सुश्री कार्की नेपाल की मुख्य न्यायाधीश रह चुकी हैं, सो उनकी इस स्वीकारोक्ति को नज़रंदाज़ नहीं किया जा सकता है कि इस पुरे प्रकरण के पीछे वंशवादी राजनीति और प्रवृति ही रही है। इसी का परिणाम था कि नेताओं के बच्चे बेहद विलासितापूर्ण जीवन जी रहे थे, भ्रष्टाचार हो रहा था और उसपर सरकार निष्क्रिय थी। नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री देउबा के घर के अंदर सुरंग में रुपयों के गट्ठर मिले।

देउबा के बेटे का बहुत ही बड़ा और भव्य पांच सितारा होटल से लेकर अकूत संपत्ति थी। पूर्व प्रधानमंत्री प्रचंड का जो कम्युनिस्ट नेता है, उनका बड़ा शॉपिंग मॉल था, तो प्रधानमंत्री ओली की बेपनाह संपत्तियों और राजशाही जिंदगी थी।

राजशाही से निकले नेता खुद को वामपंथी बताते थे, पर उन्होंने अकूत धन संपत्तिअपने भ्र ष्टाचार से अर्जि त की। एक के बाद एक चंद परिवारों से ही नए नेता आये, क्योंकि इन्होंने अपने परिवार से बाहर किसी को अपनी पार्टी में शीर्ष पर आने नहीं दिया, न ही सत्ता का भागीदार बनने दिया।

पारिवारिक रूप से प्रधानमंत्री का बेटा प्रधानमंत्री बनता रहा, मंत्री के बेटे मंत्री बनते रहे। इनके परिवार के लोग ही सरकारी पदों पर बैठाए जाते रहे, भले ही वे निकम्मे क्यों न हों।

शरीर भले न साथ दे रहा हो, नेपाल के लोगों ने सत्ता पकड़े रहना ही अपना काम समझा। सरकारी ठेके भी अक्सर नेताओं के रिश्तेदारों और उनके दोश्तों को मिल जाते थे। नेपाल के लगभग हर सौदे में 70 प्रतिशत कमीशन नेताओं ने लिया और अपने बच्चों के नाम पर देश विदेश में लगाया, उनके ऐशो आराम पर लुटाया। आम जनता के लिए वहां कुछ नहीं बचा, हालात ये थे कि ओड़िसा में निकली 135 वेकेंसियों के लिए नेपाल से 3000 से ज्यादा लड़के आ गए।

भ्रष्टाचार को एक उदाहरण से समझें। 1991 में नेपाली कांग्रेस सरकार ने मिस्र की कंपनी से 1.8 करोड़ डॉलर में एक वीआईपी हेलिकॉप्टर खरीदा जिसकी कीमत 40 लाख डॉलर थी। डील के बाकी बचे 1.4 करोड़ डॉलर का कमीशन तत्कालीन प्रधानमंत्री

गिरिजा प्रसाद कोइराला के रिश्तेदारों को मिला। 1999 में ऑस्ट्रिया से एक बोइंग 767 विमान 4.5 करोड़ डॉलर में लीज पर लिया गया था।

इसमे लगभग 70 प्रतिशत घपला था। घपलों घोटालों से त्रश्त नेपाल का यह हाल हो गया कि वहां इंडस्ट्री चौपट होने लगीं, रोजगार घटने लगे, युवाओं को काम की तलाश में भारत से लेकर मलेशिया और खाड़ी देशों का रुख करना पड़ा। नेपाल में भ्रष्टाचार इस कदर फैला है कि करप्शन के इंडेक्स में 180 देशों में वह 130 वें पायदान पर आ गया। बीते तीन दशक में लगभग 68 लाख नेपाली नागरिकों को विदेशों में काम करने के लिए जाना पड़ा।

अब आते हैं भारत के मामले में। पड़ोसी नेपाल की तरह ही भारत में भी वंशवाद चरम पर है। भाजपा और जदयू जैसी एक दो पार्टियों को छोड़ दें तो भारत में लगभग सभी बड़ी पार्टियाँ वंशवाद से घिरी हैं। आप नाम लीजिये और पता चल जायेगा कि इनकी दूसरी या तीसरी या चौथी पीढ़ी ही इन पार्टियों के शीर्ष पर हैं।

यही नहीं, यह भी दिखेगा कि आने वाले दशकों में भी इनके बच्चे ही इन पार्टियों के मुखिया बने रहेंगे और वही शासन करते रहेंगे, भले ही उनके दादा, नाना, चाचा, मामा, पिता, माता, बुआ, ससुर, आदि पर घपले घोटालों के कितने ही मुक़दमे क्यों न रहे हों। यहाँ तक कि उनको भ्रष्टाचार के जुर्म में सज़ा ही क्यों न हुई हो।

वंशवाद में तो मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस सबसे आगे है। इनके सबसे बड़े नेता वंशवाद की चौथी पीढ़ी से हैं और उनपर कई मुकदमे चल रहे हैं, जिनमे भ्रष्टाचार का बड़ा मुकदमा भी शामिल है।

जिन दलों में वंशवाद है और जिन्होंने जमकर देश को लूटा है, जिनकी आज की संपत्ति अरबों खरबों में है, उनमें कई दल ऐसे भी हैं, जो सत्ता पक्ष के साथ हैं और सत्ता का मज़ा ले रहे हैं। उनपर कोई उंगुली भी नहीं उठा रहा है। उनके भ्रष्टाचार के मुकदमों पर कोई कार्रवाई भी नहीं हो रही है।

इनके मुकदमे वर्षों तो छोड़िये, दशकों से लंबित हैं। जिनकों सज़ा हुई है, उनकों भी जमानत मिली हुई है और वे मज़े से राजनीति कर रहे हैं, अपने वंश को आगे बढ़ा रहे हैं और मुख्यमंत्री बनवाने में लगे हैं, जनता जाए भांड में। जो पार्टियाँ सत्ता में नरेन्द्र मोदी के साथ हैं, उनपर तो कार्रवाई होने से रही।

इसमे भी इंडी गठवंधन को ज्यादा सोचने की जरूरत है जहाँ स्थिति ज्यादा खराब है। शीर्ष पर वहां लगभग सभी दल वंशवादी राजनीति ही कर रहे हैं। भाजपा में तो फिलहाल शीर्ष श्तर पर वंशवाद नहीं है, पर उसके नीचे वहां भी वंशवाद काफी है।

जबतक नरेन्द्र मोदी हैं तबतक तो बचाव है। पर भाजपा को अभी से इसपर सतर्क रहने की जरूरत है। अब समय है कि ये सारी पार्टियाँ अपने गिरेवाँ में झांकें और अपने भीतर आवश्यक सुधार करें, वरना भारत नेपाल से बहुत दूर नहीं है।

हालाँकि भारत में नेपाल जितने खराब हालात नहीं हैं, परन्तु वंशवादी राजनीति कि जो राजनीति भारत में है, वह नेपाल से अलग नहीं है। ऐसे में भारत में यदि नेपाल की तरह का कोई आन्दोलन देर सबेर हो जाये और देश में उथल पुथल मच जाये,तो किसी को आश्चर्य नहीं होना चाहिए।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती आशा शर्मा द्वारा 707 मंदाकिनी टावर सेक्टर -4, वैशाली गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) भारत से प्रकाशित एवं एन.सी.आर. प्रिंटर्स, 15/19 साइट-4, साहिबाबाद इंडस्ट्रीयल एरिया जनपद गाजियाबाद से मुद्रित। **संपादक** : संजय शर्मा
फोन: 9899683800 वेबसाइट : www.khabariya.com **ई-मेल:** todayncr@gmail.com >> ncrtoday@hotmail.com **RNI-**UPHIN/2009/30721

पति-पत्नी को दस वर्ष कारावास

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजीव सुमन के निर्देशन में प्रभावी पैरवी कर अपराधियों को शीघ्र सजा दिलाने हेतु चलाए ऑपरेशन कन्विक्शन के क्रम में अलीगढ़ पुलिस की गुणवत्तापूर्ण विवेचना एवं अभियोजन की संयुक्त प्रभावी पैरवी से न्यायालय द्वारा हत्या के मुकदमे में दोषी को सजा सुनायी गयी है। थाना क्वार्सी पर पंजीकृत गैर इरादतन हत्या के दोषी साकिब पुत्र कल्लू खाँ ,नाजिया पत्नी साकिब निवासीगण बेगमपुर गली न0 3 थाना क्वार्सी न्यायालय दोषी पाये जाने पर दस-दस वर्ष कारावास की सजा व 18-18 हजार रुपये अर्थदण्ड से दण्डित किया गया है।

एक किलो नशीला पाउड़र के साथ दबोचा

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

थाना अकराबाद पुलिस टीम ने दो शातिर गिरफ्तार कर उसके कब्जे से अवैध मादक पदार्थ एक किलो 50 ग्राम डायजापाम पाउडर व दो अवैध छुरे बरामद किये हैं ।

थाना अकराबाद पुलिस टीम द्वारा दो शातिर इकबाल पुत्र दीन मोहम्मद निवासी मौ0 शेखान कस्बा पिलखना थाना अकराबाद को मय 530 ग्राम नशीला पाउडर डायजापाम मय एक अवैध छुरा व शाहिद पुत्र इकबाल निवासी मौ0 शेखान कस्बा पिलखना थाना अकराबाद को मय 520 ग्राम नशीला पाउडर डायजापाम मय एक अवैध छुरा के साथ बम्बा पुलिया से लगभग 20 कदम बम्बे की पटरी पर जिरौली हीरासिंह की तरफ से गिरफ्तार किया गया है।

आपसी मतभेद भुलाकर रो जोड़े साथ रहने को हुए तैयार

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

पारिवारिक समस्याओं/मतभेदों के मामलों को परिवार परामर्श केन्द्र में काउंसलरों द्वारा दोनों पक्षों को साथ बैठाकर उनकी समस्याओं को सुनकर दो जोड़ों के समझौते कराकर उनके परिवारों को टूटने से बचाया गया।

परिवार परामर्श केंद्र में कुल दो पारिवारिक मामलों का सफल निश्तारण किया गया, पहला मामला हरदुआगंज थाना क्षेत्र के रहने वाले आरती (परिवर्तित नाम) तथा प्रवीण (परिवर्तित नाम) का था, दूसरा मामला भी थाना क्षेत्र हरदुआगंज की रहने वाले भानू (परिवर्तित नाम) तथा राजकुमारी (परिवर्तित नाम) का था, दोनों मामलों में परामर्श केंद्र की टीम उपनिरीक्षक शिखा त्यागी व काउंसलरों के द्वारा दोनों पक्षों से विश्तृत बातचीत कर सही तथ्य जानकर तथा दोनों पक्षों को समझाकर उनके पारिवारिक दायित्व समझाए गए जिनके अथक प्रयास के फलस्वरूप दोनों पक्षों के बीच सहमति से सुलह समझौता कराया गया। इन सभी मामलों में परिवार परामर्श केंद्र की टीम ने दोनों पक्षों से विश्तारपूर्वक वार्ता की, पारिवारिक मूल्यों की महत्ता को समझाया तथा सुलह-समझौते की दिशा में प्रभावी पहल कर उनका पारिवारिक जीवन संभालने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

रिश्वत मांगने के आरोप में दारोगा निलंबित

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

बढ़ते अपराधों और रिश्वतखोरी के मामले को लेकर पुलिस महकमे की सख्ती एक बार फिर सामने आई है। थाना सिविल लाइन क्षेत्र अंतर्गत मेडिकल चौकी पर तैनात दरोगा रजत खोखर को गंभीर आरोपों के चलते निलंबित कर दिया गया है।

मामला उस समय सुर्खियों में आया जब एक अस्पताल संचालक डॉक्टर ने दरोगा रजत खोखर पर रुपए मांगने और धमकी देने का आरोप लगाते हुए शिकायत दर्ज कराई। डॉक्टर की शिकायत के बाद पूरे पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए एसएसपी अलीगढ़ संजीव सुमन ने तत्काल जांच कराई और प्रारंभिक साक्ष्य सही पाए जाने पर दरोगा रजत खोखर को फौरन निलंबित करने की कार्रवाई की। एसएसपी संजीव सुमन ने साफ संदेश देते हुए कहा कि "पुलिस विभाग में भ्रष्टाचार और अनुशासनहीनता किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यदि कोई भी पुलिसकर्मी अपनी वर्दी का गलत इश्तेमाल करता है तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई तय है।"

आयुष्मान भारत: अलीगढ़ में 10 लाख से अधिक कार्ड जारी

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

जिलाधिकारी संजीव रंजन की अध्यक्षता में कलैक्ट्रेट सभागार में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक में जिले की स्वास्थ्य सेवाओं एवं संचालित योजनाओं की प्रगति की विश्तार से समीक्षा की गई।

जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी स्वास्थ्य संस्थानों में गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवाएं सुनिश्चित की जाएं। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों तक शत-प्रतिशत पहुंचना चाहिए।

बैठक में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 नीरज त्यागी ने बताया कि आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत अब तक 10.48 लाख आयुष्मान कार्ड जारी किए जा चुके हैं, जो पात्र परिवारों का 65.92 प्रतिशत है। 2.81 लाख परिवारों को कम से कम एक कार्ड उपलब्ध हो चुका है। योजना के तहत 1.96 लाख से अधिक प्री-ऑथराइजेशन कराए गए जिनकी राशि 184.41 करोड़ रुपये रही। डीएम ने आयुष्मान योजना का लाभ जन-जन तक पहुँचाने के लिए मानक के अनुरूप ब्लॉक श्तर पर भी निजी चिकित्सालयों को चिन्हित कर योजना से सम्बद्ध करने के निर्देश दिए।

ऊर्जा मंत्री के आदेश पर निलंबित जेई समेत चार अधिकारी बहाल

किसकी गलती से गुल हुई बिजली...सवाल बरकरार

मुरादाबाद, एजेंसी। मुरादाबाद में 20 जुलाई को मुरादाबाद में ऊर्जा मंत्री के कार्यक्रम के दौरान बिजली गुल होने पर निलंबित किए गए जेई समेत चार अधिकारियों को बहाल कर दिया गया है। पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (पीवीवीएनएल) की एमडी ईशा दुहन ने चारों को बहाल करने के बाद उत्तर प्रदेश पावर कॉर्पोरेशन (यूपीपीसीएल) के हवाले कर दिया है।

इनकी तैनाती का स्थान कॉर्पोरेशन के चेयरमैन तय करेंगे। निलंबित किए गए जेई ललित कुमार मुरादाबाद में दिल्ली रोड बिजलीघर पर तैनात थे। ऊर्जा मंत्री की नाराजगी पर निलंबन के आदेश के खिलाफ वह हाईकोर्ट पहुंचे थे। अगस्त में हाईकोर्ट ने पीवीवीएनएल को निलंबन के आदेश पर पुनर्विचार करने के लिए कहा था।

साथ ही जरूरत पड़ने पर याची को दोबारा कोर्ट में आने के लिए कहा। जेई अपनी बात को लेकर दोबारा कोर्ट पहुंचे थे लेकिन किसी भी निर्णय से पहले ही पीवीवीएनएल की ओर से बहाली का पत्र जारी कर दिया गया। जेई के कोर्ट जाने का फायदा अन्य तीन अभियंताओं को भी मिला। कांशीरामनगर बिजलीघर पर तैनात रहे एसडीओ राना प्रताप, अधिशासी अभियंता प्रथम के पद पर रहे प्रिंस कुमार गौतम और अधीक्षण अभियंता सुनील कुमार अग्रवाल को बहाल किया गया है। निलंबित किए गए मुख्य अभियंता की बहाली पर यूपीपीसीएल की ओर से कोई पत्र जारी नहीं हुआ है। वहीं अन्य चार की बहाली पर अभियंता संघ व जूनियर इंजीनियर्स संगठन के पदाधिकारियों ने खुशी जताई है।

बेशक जेई कोर्ट पहुंचने के बाद विद्युत अभियंताओं की बहाली हो गई है लेकिन सवाल बरकरार है कि ऊर्जा मंत्री के कार्यक्रम में बिजली कटी कैसे। निलंबन के खिलाफ विद्युत कर्मियों ने कुछ दिन प्रदर्शन भी किया लेकिन फिलहाल सभी संगठन मौन है। औपचारिक रूप से किसी ने बयान नहीं दिया है लेकिन कहा जा रहा है कि उनकी मांग निलंबन के आदेश को निरस्त करने की थी।

20 जुलाई की शाम को ऊर्जा व नगर विकास मंत्री एके शर्मा सिविल लाइंस क्षेत्र में चिल्ड्रन पार्क का मुआयना कर रहे थे। उस दौरान 12 मिनट के लिए बिजली कट गई। केबिल जलने की जानकारी हुई तो विद्युत निगम कर्मियों की लापरवाही मानते हुए मंत्री ने चीफ इंजीनियर समेत एसई, एक्सईएन, एसडीओ और जेई को निलंबित करने का आदेश दे दिया। रात में ही एमडी कार्यालय से निलंबन का आदेश जारी हो गया। इसके बाद मामले की कोई आधिकारिक जांच नहीं हुई है। विद्युत निगम के इंजीनियरों ने दावा किया कि बिजली नगर निगम की गलती से कटी है। अभियंता संघ व जूनियर इंजीनियर्स संगठन ने निलंबन के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया और एमडी से मिलने भी गए। जब कोई बात नहीं बनी तो जेई ललित कुमार ने हाईकोर्ट का रुख किया।

कोर्ट ने आदेश किया कि निलंबन पर पुनर्विचार किया जाए और जेई को दोबारा अदालत का दरवाजा खटखटाने का विकल्प भी दिया। मामला कोर्ट में पहुंचने के बाद एमडी कार्यालय की ओर से जेई से एसई तक चार अभियंताओं को बहाल किया गया है। चीफ इंजीनियर की बहाली नहीं हुई है।

नगर निगम व विद्युत निगम के बीच दिखी समन्वय की कमी : अभियंताओं के निलंबन के बाद विद्युत कर्मियों का कहना था कि चिल्ड्रन पार्क पर 25-26 किलोवाट का लोड स्वीकृत है, जबकि मंत्री के निरीक्षण के दौरान सभी उपकरण मेन सप्लाई से चालू कर दिए गए और लोड 36 किलोवाट हो गया। इसके कारण ट्रांसफार्मर में फाल्ट हुआ और केबिल जल गया।

जबकि नगर निगम के अधिकारियों ने दावा किया कि उन्होंने लोड के मुताबिक ही बिजली इस्तेमाल की थी। जनरेटर को लेकर दोनों विभागों के अधिकारियों के बीच समन्वय की कमी रही, जिसका खामियाजा अभियंताओं को भुगतना पड़ा।

34 साल की नौकरी बाकी होने के कारण कोर्ट पहुंचे जेई : दिल्ली रोड बिजलीघर पर तैनात रहे जेई ललित कुमार की उम्र महज 26 वर्ष है। उनकी सेवानिवृत्ति वर्ष 2059 में है। नौकरी के शुरुआती चरण में सर्विस बुक खराब न हो इसलिए उन्होंने कोर्ट का रुख किया। बहाली के बाद विद्युत निगम अभियंताओं की सर्विस बुक में कैसी प्रविष्टि दर्ज की जाएगी, यह स्पष्ट नहीं है।

काशी में गंगा के तट पर 13 हजार अजन्मी बेटियों का हुआ श्राद्ध, की गई मोक्ष की कामना

वाराणसी, एजेंसी। अनुष्ठान तो एक बहाना है, असल में बेटी को बचाना है... के संदेश के साथ मातृ नवमी पर 13 हजार अजन्मी बेटियों का श्राद्ध गंगा तट पर हुआ। ये श्राद्ध अनुष्ठान उन अजन्मी बेटियों के लिए था जिन्हें मां के गर्भ में ही मार दिया गया। 12 साल में अब तक 1.20 लाख अजन्मी बेटियों का श्राद्ध किया जा चुका है। सोमवार को पितृपक्ष की नवमी तिथि को शास्त्रीय विधान के साथ आगमन संस्था टीम ने पिंड निर्माण कर विधिपूर्वक अजन्मी आत्माओं का आह्वान करके बारी-बारी से उनके मोक्ष की कामना की। अंतिम प्रणाम के 12वें साल 13000 पिंड के माध्यम से अजन्मी बेटियों की मोक्ष की कामना की गई।

श्राद्ध अनुष्ठान का समस्त कर्म संस्था के संस्थापक डॉ. संतोष ओझा ने किया जबकि अनुष्ठान पं. दिनेश शंकर दुबे और कन्हैया पाठक के साथ पांच ब्राह्मणों ने कराया। डॉ. संतोष ओझा ने बताया कि आगमन संस्था 2001 से लगातार अजन्मी बेटियों को बचाने के लिए अभियान चला रही है। तमाम सरकारी और संस्थागत प्रयास के बावजूद आज भी काशी में कन्या भ्रूण हत्या जारी है।

आगमन संस्था एक बार फिर चिह्नित अल्ट्रासाउंड सेंटर और उनके संचालकों के खिलाफ बड़ा अभियान चलाने की घोषणा करेगी। अनुष्ठान में राहुल गुप्ता, हरिकृष्ण प्रेमी, साधना, सन्नी कुमार, ज्योति, जितेंद्र किरण, साधना, सोनी, अरुण गुप्ता, मदन गुप्ता ने सहयोग किया।

रालोद ने तेज की पंचायत व विधानसभा चुनाव की तैयारियां, कार्यकर्ताओं में जोश भरने लखनऊ आएंगे जयंत

लखनऊ , एजेंसी। रालोद ने संगठन को मजबूत करने और आगामी पंचायत चुनाव व वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारियां तेज कर दी हैं। इसके लिए पार्टी ने कई कार्यक्रम तय किए हैं। रालोद मुख्यालय में प्रदेश अध्यक्ष डॉ. रामाशीष राय ने कार्यकर्ताओं से चुनाव में अभी से जुटने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि चुनाव की तैयारियों को रफ्तार देने के लिए पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी जयंत सिंह लखनऊ आएंगे। 2 अक्तूबर से 31 अक्तूबर तक जयंत के प्रदेश में सात बड़े कार्यक्रम होंगे। उन्होंने बताया कि संगठन को गतिशील बनाने के लिए कई कार्यक्रम तय किए गए हैं। इस क्रम में 30 सितंबर को सभी 75 जिलों में बैठकें होंगी। 31अक्तूबर को सभी जिलों में संगठन की बैठक होगी और सरदार पटेल जयंती को एकता दिवस के रूप में मनाया जाएगा।

उन्होंने बताया कि 31 अक्तूबर को बस्ती में सरदार पटेल जयंती पर जयंत सिंह जनसभा को संबोधित करेंगे। पंचायत चुनाव के लिए सभी जिलाध्यक्षों को 5 सदस्यीय समिति बनाने के निर्देश दिए गए हैं। 31 अक्तूबर तक पार्टी के सभी प्रकोष्ठ अपने क्षेत्रीय सम्मेलन संपन्न कर लेंगे।

आपदा में सदैव जनता के साथ रालोद : डॉ. रामाशीष

प्रदेश अध्यक्ष डॉ. रामाशीष राय ने कहा कि रालोद आपदा में सदैव जनता के साथ खड़ा रहा है। पंजाब में आई भीषण बाढ़ के पीड़ितों के लिए लखनऊ से राहत सामग्री भेजी गई। राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी ने सबसे पहले पंजाब बाढ़ आपदा में मदद का हाथ बढ़ाया। उन्होंने दिल्ली से किसान ट्रस्ट के माध्यम से राहत सामग्री भेजी और आर्थिक सहायता पहुंचाई।

प्रदेश के कार्यकर्ताओं ने भी लखनऊ से राहत सामग्री भेजी है। पंजाब बाढ़ आपदा समिति के प्रदेश अध्यक्ष रोहित अग्रवाल ने कहा कि रालोद का हर कार्यकर्ता पीड़ितों के साथ खड़ा है। प्रदेश मीडिया प्रभारी मयंक त्रिवेदी ने बताया कि यह राहत सामग्री पार्टी के कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों के सहयोग से एकत्र की गई है।

बिलासपुर गुरुद्वारे में फायरिंग और मारपीट में 15 पर केस, इलाके में तनाव के बीच पुलिस की तैनाती

मुरादाबाद , एजेंसी। शहीद बाबा दीप सिंह पसियापुरा गुरुद्वारा, नवाबगंज में गुरुद्वारे के प्रबंधन को लेकर सोमवार को दो पक्षों में मारपीट, पत्थराव और फायरिंग हुई थी। इस मामले में कोतवाली पुलिस ने प्रमुख ग्रंथी राम सिंह की तहरीर पर 15 लोगों के खिलाफ नामजद और कई अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज किया है।

पसियापुर रोड स्थित गुरुद्वारा शहीद बाबा दीप सिंह नवाबगंज को अपने कब्जे में लेने को लेकर सोमवार को दो पक्षों में जमकर विवाद हुआ। पुलिस-प्रशासन के अधिकारियों के सामने ही कई राउंड गोलियां, पत्थराव और लाठी डंडे चले थे। इसमें कई लोग घायल हो गए। भारी हंगामें के बीच डीएम और एसपी भारी पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे। छह घंटे मौके पर तनाव की स्थिति बनी रहीं। देर शाम डीएम और एसपी ने दोनों पक्षों को किसी तरह मनाया और यहां भारी फोर्स तैनात कर दी है। दोनों पक्षों को मंगलवार 10 बजे प्रपत्रों के साथ कलेक्ट्रेट बुलाया गया है। सोमवार देर रात प्रमुख ग्रंथी राम सिंह ने पुलिस को तहरीर सौंपी। शिकायत के अनुसार, 15 सितंबर को लगभग 11 बजे सतेंद्र सिंह, जितेंद्र सिंह, परमजीत सिंह, सतकरतार सिंह उर्फ शेरा (हिस्ट्रीशीटर), गुरमुख सिंह उर्फ तोती, अजीत सिंह, जितेंदर सिंह उर्फ बब्बू मल्ली, गुरजीत सिंह (प्रधान कनकटा), लखा सिंह, सुखदेव सिंह, गुरेंदर सिंह उर्फ गोरा, बन्टी गांधी, जसपाल सिंह, पलविंदर सिंह और राजा सिंह समेत कई अज्ञात लोग गुरुद्वारा परिसर में घुस आए।

आरोप है कि सतकरतार सिंह उर्फ शेरा, सुखदेव सिंह और राजा सिंह ने गुरुद्वारे में अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। साथ ही, जितेंद्र सिंह, गुरजीत सिंह और गुरमुख सिंह उर्फ तोती ने हैड ग्रंथी राम सिंह की बेरहमी से पिटाई की। गुरमुख सिंह उर्फ तोती, जसपाल सिंह और पलविंदर सिंह ने निर्मल सिंह पाठी पर तलवारों से हमला कर उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया।शिकायत के आधार पर बिलासपुर कोतवाली पुलिस ने 15 आरोपियों के खिलाफ नामजद और कई अज्ञात के खिलाफ विभिन्न धाराओं में केस दर्ज कर लिया है। एसपी विद्यासागर मिश्र ने बताया कि तहरीर के आधार पर केस दर्ज कर लिया गया है। पुलिस जांच कर रही है।

बदला मौसम...बूंदाबांदी से 5.5 डिग्री लुढ़का पारा

अगले दो दिन भारी बारिश के आसार

लखनऊ , एजेंसी। राजधानी लखनऊ में सोमवार को मौसम ने अचानक करवट ली। यहां बूंदाबांदी से माहौल खुशनुमा हो गया। इससे एक ही दिन में अधिकतम तापमान में 5.5 डिग्री की गिरावट आ गई। इससे उमस व गर्मी से राहत मिली। मंगलवार को भी मौसम खुशनुमा रहने के आसार हैं। 17 से 19 सितंबर की सुबह तक भारी बारिश के आसार हैं।

आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि सोमवार को राजधानी में दिनभर बादल छाए रहे और बूंदाबांदी हुई। रविवार को अधिकतम तापमान 35.9 डिग्री था, जो सोमवार को 30.4 डिग्री रह गया। यह सामान्य से तीन डिग्री कम रहा।

सोमवार को न्यूनतम तापमान 26.7 डिग्री दर्ज किया गया, जो सामान्य से दो डिग्री अधिक था। अभी चार से पांच दिन तक कहीं बूंदाबांदी और बारिश का सिलसिला चलते रहने के आसार हैं। अतुल कुमार सिंह ने बताया कि पांच दिन बाद बारिश का प्रभाव कम होना शुरू होगा।

दिशा पाटनी के घर फायरिंग: पुलिस ने ढाई हजार फुटेज खंगाली, शूटरों का नहीं लगा सुराग, एसटीएफ भी कर रही तलाश

बरेली , एजेंसी। बरेली में अभिनेत्री दिशा पाटनी के घर पर फायरिंग के मामले में पुलिस ने अब तक ढाई हजार सीसी कैमरों की फुटेज चेक कर ली है, लेकिन आरोपियों का चेहरा पूरी तरह साफ नहीं दिख रहा है। वहीं अपाचे बाइक का आरटीओ कार्यालय से रिकॉर्ड चेक कराया जा रहा है। एसटीएफ भी छह पुलिस टीमों की मदद में लगी है। शहर के चौपुला के पास स्थित अभिनेत्री दिशा पाटनी के घर 11 व 12 सितंबर की रात फायरिंग की गई थी। इसकी जिम्मेदारी रोहित गोदारा व गोल्डी बरार गैंग ने सोशल मीडिया पर ली तो सनसनी फैल गई। इसके बाद से एसएसपी अनुराग आर्य ने अधिकारियों के नेतृत्व में छह टीमें बनाकर तफ्तीश शुरू करा दी है। एसटीएफ की बरेली इकाई के साथ ही मेरठ व लखनऊ यूनिट भी बरेली पुलिस की मदद में लगी हैं। हालांकि अभी तक आरोपियों की पहचान साबित नहीं हो सकी है। इसमें सबसे बड़ी बाधा रात का अंधेरा आ रहा है।

साफ नहीं दिखा शूटर का चेहरा : पुलिस ने जिले व आसपास के जिलों के टोल प्लाजा की 48 घंटों की रिकॉर्डिंग के साथ ही करीब ढाई हजार सीसी कैमरों की फुटेज चेक कराई है। कई फुटेज में हमलावरों की बाइक नजर आ रही है, लेकिन उस पर नंबर न होने की वजह से रात में सभी बाइक लगभग एक जैसी लग रही हैं। आगे वाले शख्स के सिर पर हेलमेट लगातार लगा होने से उसकी पहचान का सवाल ही नहीं उठता, जबकि पीछे बैठे शूटर का चेहरा खुला होने के बाद भी कोई बहुत स्पष्ट फुटेज नहीं मिल सकी है। एसएसपी अनुराग आर्य ने बताया कि घटना में अपाचे बाइक इस्तेमाल हुई है। पुलिस ने आरटीओ से अपाचे बाइकों का विवरण लिया है। आई ट्रिपलसी के कैमरों से इनका सत्यापन किया जा रहा है। जिले व आसपास के सभी टोल के 48 घंटे के सीसी फुटेज सुरक्षित कर जांच की जा रही है। जल्दी ही नतीजा निकलेगा।

दिशा पाटनी के पिता से सीएम योगी ने की बात : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार रात अभिनेत्री दिशा पाटनी के पिता जगदीश चंद्र पाटनी से फोन पर बात की। जगदीश चंद्र पाटनी ने वीडियो बयान जारी कर इसकी पुष्टि की। उन्होंने बताया कि सीएम योगी ने उनसे घटना की जानकारी लेकर उनके परिवार को सांत्वना दी। सीएम योगी ने कहा कि पूरा उत्तर प्रदेश आपके साथ है। परिवार की सुरक्षा में कोई कोताही नहीं होने दी जाएगी। हमलावरों की गिरफ्तारी की जाएगी। इधर, विदेश में शूटिंग करने गईं दिशा पाटनी सोमवार को मुंबई वापस लौट आई हैं। जगदीश से एसएसपी अनुराग आर्य की इस संबंध चर्चा हुई। बरेली के एसएसपी ने मुंबई के ज्वाइंट कमिश्नर से फोन पर बात की। उन्हें बरेली में हुए घटनाक्रम और परिवार की सुरक्षा बढ़ाने की जानकारी दी। एसएसपी ने बताया कि मुंबई पुलिस ने भी अभिनेत्री दिशा पाटनी की सुरक्षा बढ़ाने की बात कही है।

स्कूल की रसोई में गैस रिसाव से लगी आग, तीनों रसोइयां झुलसीं

सोनिक (उन्नाव), एजेंसी। बरिगवां के उच्च प्राथमिक विद्यालय में सोमवार की सुबह करीब 10:30 बजे खाना बनाते समय सिलिंडर में आग लग गई। आग की चपेट में आकर तीनों रसोईयां झुलस गईं। ग्रामीणों ने आनन फानन में आग बुझाई। घटना के समय स्कूल में 40 बच्चे थे। समय रहते आग बुझ जाने से बड़ा हादसा बच गया।

बिछिया ब्लॉक के बरिगवां उच्च प्राथमिक स्कूल में सुबह रसोइया राजेश्वरी, रामरानी और रामेश्वरी छात्रों के लिए खाना पका रही थीं। गैस चूल्हे में रोटी सेंकने के दौरान गैस सप्लाई की पाइप की पिन ढीली होने से गैस रिसाव हुआ और आग लग गई। लपटें उठते ही स्कूल में अफरातफरी मच गई। शिक्षकों ने आनन-फानन सभी बच्चों को स्कूल से बाहर निकाला। लपटों की चपेट में आकर तीनों रसोइयां झुलस गईं। सूचना पर ग्रामीण राजेश पाल और कुलदीप सहित अन्य लोग पहुंचे और फायर ब्रिगेड को सूचना देने के साथ आनन-फानन रेग्यूलेटर बंद कर गैस की सप्लाई बंद की और आग पर काबू पाया। प्रधान शिक्षक विमल आजाद भारती की सूचना पर पुलिस भी पहुंची लेकिन तब तक आग पूरी तरह से बुझ गई थी। इस पर दमकल गाड़ी को सूचना देकर रास्ते से ही वापस भेज दिया गया। प्रधान शिक्षक ने बताया कि तीनों रसोइयों का इलाज कराया गया।

पथुम निस्सांका का Asia Cup 2025 में लगातार दूसरा अर्धशतक, श्रीलंका के बड़े खिलाड़ियों का रिकॉर्ड तोड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। श्रीलंका के पथुम निस्सांका ने मौजूदा पुरुष टी20 एशिया कप 2025 में लगातार दूसरे अर्धशतक (68 रन) के बाद 150 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए हांगकांग के खिलाफ अपनी टीम को जीत दिला दी। इसी के साथ ही निसांका ने कुसल मेंडिस और कुसल परेरा जैसे बड़ी श्रीलंकाई खिलाड़ियों के टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में श्रीलंका के लिए सर्वाधिक 50 से ज्यादा रनों के रिकॉर्ड को तोड़ दिया है। निसांका ने छोटे अंतरराष्ट्रीय प्रारूप में अपनी शानदार फॉर्म जारी रखी और पिछले 5 मैचों में अपना तीसरा और मौजूदा एशिया कप में दूसरा अर्धशतक जड़ा। 27 वर्षीय निसांका ने अपने 4 साल से कम के करियर में ही टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में श्रीलंका के लिए सबसे ज्यादा 50 प्लस रन बनाने का रिकॉर्ड बना लिया है। निस्सांका ने अभी तक कोई टी20 अंतरराष्ट्रीय शतक नहीं लगाया है। निस्सांका ने श्रीलंका के लिए टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 17 बार पचास से ज्यादा रन बनाए हैं, जो इस प्रारूप में श्रीलंका के अनुभवी खिलाड़ी कुसल मेंडिस और कुसल परेरा से एक ज्यादा है।

टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में श्रीलंका के लिए सर्वाधिक 50 से ज्यादा रन

पथुम निस्सांका - 17
कुसल मेंडिस - 16
कुसल परेरा - 16 (15 अर्धशतक, 1 शतक)
टीएम दिलशान - 14 (13 अर्धशतक, 1 शतक)
महेला जयवर्धने - 10 (9 अर्धशतक, 1 शतक)

बाबर आजम और विराट कोहली के नाम टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में सर्वाधिक 39 अर्धशतक हैं। निस्सांका ने डेविड मलाना, क्विंटन डी कॉक और ग्लेन मैक्सवेल जैसे खिलाड़ियों की बराबरी की और क्रिस गेल और सिकंदर रजा जैसे अन्य खिलाड़ियों को पीछे छोड़ दिया। निसांका अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सभी प्रारूपों में 1000 से ज्यादा रन बनाने वाले सिर्फ छह बल्लेबाजों में से एक हैं और सोमवार को उन्होंने हैरी ब्रुक को पीछे छोड़ दिया और अब वह जो रूट, बेन डकेट और शुभमन गिल जैसे बल्लेबाजों से पीछे हैं। दाएं हाथ के इस बल्लेबाज की स्थिरता ने श्रीलंका को कामिल मिशारा, परेरा और दासुन शनाका जैसे तेज गेंदबाज़ों को बल्लेबाजी क्रम में खिलाने में मदद की है, जिससे टी20 टीम को बढ़त मिलती है।

शर्मनाक रिकॉर्ड!

टी20 में सबसे ज्यादा डक पर आउट होने वाले भारतीय खिलाड़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। टी20 क्रिकेट को आमतौर पर तेज रन बनाने और ताबड़तोड़ बल्लेबाजी के लिए जाना जाता है, लेकिन इस छोटे फॉर्मेट में कभी-कभी बड़े से बड़ा खिलाड़ी भी बिना खाता खोले पवेलियन लौट जाता है. भारत के कई दिग्गज बल्लेबाजों ने टी20 इंटरनेशनल में ढेरों रिकॉर्ड बनाए हैं, लेकिन कुछ खिलाड़ियों के नाम ऐसे रिकॉर्ड भी दर्ज हैं, जिन्हें वे शायद याद नहीं करना चाहेंगे. इनमें सबसे अहम है, सबसे ज्यादा 'डक' (0 रन पर आउट होना) का रिकॉर्ड.

रोहित शर्मा - 12 डक: भारत के हिटमैन और टी20 में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी रोहित शर्मा ने अपने करियर में कई बड़े शतक लगाए हैं, लेकिन उनके नाम इस फॉर्मेट में भारत के लिए सबसे ज्यादा 12 डक भी दर्ज हैं. रोहित ने अब तक 159 मैच खेले हैं और 4231 रन बनाए हैं, जिनमें 5 शतक और 32 अर्धशतक शामिल हैं. बावजूद इसके, कई बार वह पहली ही गेंद पर आउट होकर टीम को निराश कर चुके हैं.

विराट कोहली - 7 डक: 'किंग कोहली' टी20 क्रिकेट में भारत के सबसे भरोसेमंद बल्लेबाज माने जाते हैं. 125 मैचों में 4188 रन और 48 से ज्यादा की औसत के बावजूद उनके नाम 7 बार बिना खाता खोले आउट होने का रिकॉर्ड है. कोहली ने इस फॉर्मेट में 38 अर्धशतक और 1 शतक लगाया है.

संजू सैमसन - 6 डक: राजस्थान रॉयल्स के कप्तान और भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज संजू सैमसन ने अब तक 44 टी20 इंटरनेशनल मैच खेले हैं. उन्होंने 861 रन बनाए हैं, जिसमें 3 शतक शामिल हैं. हालांकि, उनके नाम 6 डक भी दर्ज हैं, जो बताता है कि उनके करियर में निरंतरता की कमी रही है.

केएल राहुल - 5 डक: स्टाइलिश ओपनर केएल राहुल का नाम भी इस लिस्ट में शुमार है. उन्होंने भारत के लिए 72 टी20 इंटरनेशनल मैच खेले हैं और इस दौरान कुल 2265 रन बनाए हैं. केएल राहुल के नाम 2 शतक और 22 अर्धशतक हैं. लेकिन 5 बार वह बिना रन बनाए पहली गेंद में डक पर आउट हुए हैं.

सूर्यकुमार यादव - 5 डक: 'स्काई' यानी सूर्यकुमार यादव दुनिया के सबसे खतरनाक टी20 बल्लेबाजों में गिने जाते हैं, लेकिन वो भी इस शर्मनाक रिकॉर्ड का हिस्सा हैं. उनके नाम अब तक 2605 रन और 4 शतक दर्ज हैं. हालांकि, वह भी 5 बार डक का शिकार हो चुके हैं.

आईसीसी रैंकिंग में मची खलबली

स्टार भारतीय खिलाड़ी ने फिर हासिल किया नंबर-1 का ताज

नई दिल्ली, एजेंसी। क्रिकेट की सर्वोच्च संस्था द्धष्टष्ट यानी इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने ताजा रैंकिंग का ऐलान कर दिया है। आईसीसी वूमेन्स बल्लेबाजी रैंकिंग में भारत की स्टार ओपनर स्मृति मंधाना ने कमाल कर दिया है। स्मृति मंधाना ने 1 पायदान की छलांग लगाते हुए एक बार फिर शीर्ष स्थान हासिल कर लिया है। वर्ल्ड कप का आगाज से महज दो हफ्ते पहले मंधाना इंग्लैंड की कप्तान नैट सिवर-ब्रंट को पीछे छोड़कर नंबर-1 ओडीआई बल्लेबाज बन गई हैं।

स्मृति मंधाना को न्यू चंडीगढ़ में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ओडीआई सीरीज के पहले मैच में 58 रन की दमदार पारी का आईसीसी रैंकिंग में फायदा हुआ। इस पारी की बदौलत उन्हें 7 रेटिंग पॉइंट्स मिले और वह इंग्लैंड की कप्तान से चार पॉइंट आगे निकल गईं। भारत की स्टार बल्लेबाज के अब 735 रेटिंग पॉइंट हो गए हैं। मंधाना ने जून-जुलाई 2025 में भी नंबर-1 पर कब्जा जमाया था। इससे पहले 2019 में भी वह नंबर-1 महिला ओडीआई बल्लेबाज रह चुकी हैं।

ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों की रैंकिंग में सुधार

मंधाना के अलावा भारत की प्रतिका रावल चार स्थान ऊपर चढ़कर 42वें नंबर पर पहुंची हैं, जबकि हरलीन देओल पांच पायदान की छलांग लगाकर 43वें स्थान पर पहुंच गई हैं। टॉप-10 ओडीआई बल्लेबाजों की रैंकिंग में मंधाना एकमात्र भारतीय खिलाड़ी हैं। ओडीआई सीरीज के पहले मैच में आठ विकेट से जीत दर्ज करने वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम के खिलाड़ियों की रैंकिंग में भी सुधार हुआ है। बेथ मूनी तीन स्थान की छलांग लगाकर पांचवें स्थान पर पहुंची। एन्नाबेल सदरलैंड और फोएबे लिचफील्ड ने अर्धशतक जमाकर 25वें स्थान पर संयुक्त रूप से जगह बनाई।

स्नेह राणा ने लगाई 5 स्थान की छलांग–ओडीआई गेंदबाजों की रैंकिंग में भी ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों को फायदा हुआ है। तेज गेंदबाज किम गार्थ एक स्थान ऊपर चढ़कर चौथे स्थान पर आ गईं। स्पिनर अलाना किंग पांचवें नंबर पर पहुंच गई हैं। भारत की ऑफ स्पिनर स्नेह राणा भी पांच स्थान की छलांग लगाकर 13वें स्थान पर पहुंच गई हैं। इंग्लैंड की सोफी एक्लेस्टोन अभी भी नंबर-1 गेंदबाज बनी हुई हैं। ऑलराउंडर रैंकिंग में ऑस्ट्रेलिया की ऐश गार्डनर शीर्ष स्थान पर बनी हुई हैं। एन्नाबेल सदरलैंड छठे और एलिस पेरी 13वें स्थान पर पहुंच गई हैं।

ED ने युवराज सिंह को भेजा समन, 23 सितंबर को पेश होने के लिए कहा, रॉबिन उथप्पा से भी होगी पूछताछ

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने एक कथित अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी ऐप से जुड़े धन शोधन मामले में भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व खिलाड़ियों युवराज सिंह, रॉबिन उथप्पा और अभिनेता सोनू सूद को पूछताछ के लिए तलब किया है। समाचार एजेंसी पीटीआई ने प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारियों के हवाले से मंगलवार 16 सितंबर को यह जानकारी दी।

युवराज को 23 और उथप्पा को 22 सितंबर को बुलाया: अधिकारियों ने कहा कि विश्व कप विजेता क्रिकेटरों युवराज सिंह (43 साल) और रॉबिन उथप्पा (39 साल) तथा सोनू सूद (52 साल) को '1एक्सबेट' नामक प्लेटफॉर्म से जुड़े एक मामले में धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत अगले सप्ताह उनके बयान दर्ज कराने के लिए कहा गया है। अधिकारियों ने बताया कि रॉबिन उथप्पा को 22 सितंबर को बयान दर्ज कराने को कहा गया है। युवराज सिंह को 23 सितंबर, जबकि सोनू सूद को 24 सितंबर को बुलाया गया है।

रैना और धवन से भी केंद्रीय जांच एजेंसी कर चुकी है पूछताछ3 केंद्रीय जांच एजेंसी पिछले कुछ हफ्तों में पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना और शिखर धवन से भी पूछताछ कर चुकी है। इस मामले में सोमवार को पूर्व तृणमूल कांग्रेस सांसद और अभिनेत्री मिमी चक्रवर्ती का भी बयान दर्ज किया गया। सूत्रों ने बताया कि बांग्ला अभिनेता अंकुश हाजरा इस मामले में अपने निर्धारित समन पर मंगलवार को ईडी के समक्ष पेश हुए, जबकि 1एक्सबेट की भारत की ब्रांड एंबेसडर और अभिनेत्री उर्वशी रौतेला मंगलवार को तय तिथि पर अब तक पेश नहीं हुईं।

डब्ल्यूडब्ल्यूई के स्टार ट्रिपल एच ने किया बड़ा ऐलान, अब इस शो में करेंगे डेब्यू, फैंस हो गए खुश

नई दिल्ली, एजेंसी। डब्ल्यूडब्ल्यूई के चीफ कंटेंट ऑफिसर और दिग्गज रेसलर ट्रिपल एच के फैसलों का डब्ल्यूडब्ल्यूई पर हमेशा से प्रभाव रहा है। उन्होंने हाल ही में दो बड़ी घोषणाएं की हैं, जिनमें से एक ने फैंस को निराश किया और दूसरी ने उत्सुकता बढ़ा दी है। फैंस के बीच तरह-तरह के रिएक्शन देखने को मिल रहे हैं। ऐसे में आइए आपको बताते हैं कि ये घोषणाएं क्या हैं।

सऊदी अरब में होगा डब्ल्यूडब्ल्यूई का सबसे बड़ा इवेंट–ट्रिपल एच ने घोषणा की कि रेसलमेनिया 43 रियाद, सऊदी अरब में होगा। इस खबर से कई फैंस निराश हैं क्योंकि वे चाहते थे कि यह प्रतिष्ठित शो अमेरिका में ही हो या किसी यूरोपीय देश को पहली बार इसकी मेजबानी का मौका मिले।

रेसलमेनिया का अमेरिका से बाहर जाना कुछ फैंस के लिए एक बड़ा बदलाव है। फैंस को इस इवेंट को देखने के लिए ट्रैवल करना होगा। जिससे उन्हें काफी मुश्किलें होंगी।ट्रिपल एच कॉमेडी शो में डेब्यू करेंगेअपनी दूसरी घोषणा में ट्रिपल एच ने बताया कि वह यूट्यूब पर प्रसारित होने वाले कॉमेडी शो किल टोनी में एक विशेष अतिथि होंगे। यह शो कॉमेडियन टोनी हिंचक्लिफ होस्ट करते हैं, जहां उभरते हुए कॉमेडियन स्टैंड-अप करते हैं और उन्हें तीखे व्यंग्य का सामना करना पड़ता है।

ऑपरेशन व्हाइट बॉल के बाद ICC के सामने भी पाकिस्तान क्लीन बोल्ड, मांग खारिज

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के खिलाफ एशिया कप 2025 में करारी शिकस्त झेलने के बाद पाकिस्तान की एक बार फिर किरकिरी हुई है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने एशिया कप 2025 से मैच रेफरी एंडी पाइक्रॉफ्ट को हटाने की पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) की मांग को आधिकारिक तौर पर खारिज कर दिया है।

रिपोर्ट्स के अनुसार, आईसीसी के संचालन या कानूनी विभाग की ओर से भेजे गए पत्र से स्पष्ट हो गया है कि रविवार को दुबई में भारत-पाकिस्तान मैच के दौरान हुए हाथ न मिलाने के विवाद में मैच रेफरी एंडी पाइक्रॉफ्ट की कोई भूमिका नहीं थी। आईसीसी ने पाकिस्तान के इस दावे का खंडन किया है कि मैच रेफरी भारतीय टीम की ओर से काम कर रहे थे। पीसीबी ने भारत-पाकिस्तान मैच के बाद आईसीसी से कहा था कि अगर जिम्बाब्वे के अधिकारी को उनके पद से नहीं हटाया गया, तो पाकिस्तान एशिया कप 2025 के अपने अगले मैच का बहिष्कार करेगा। पाकिस्तान ने बुधवार को यूएई के खिलाफ अपना अंतिम ग्रुप मुकाबला खेलना है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पीसीबी ने आईसीसी को लिखे पत्र में पाइक्रॉफ्ट को पद से हटाने की मांग की है।

बोर्ड का आरोप है कि पाइक्रॉफ्ट ने मुकाबले के दौरान पाकिस्तानी कप्तान सलमान आगा को भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव से हाथ न मिलाने को कहा था। पीसीबी ने दावा किया है कि पाइक्रॉफ्ट सूर्यकुमार यादव को एक तरफ ले गए और उन्हें भी हाथ न मिलाने का यही संदेश दिया। पत्र में पूछा गया है कि मैच रेफरी एक कप्तान को दूसरे कप्तान से हाथ न मिलाने के लिए कैसे कह सकता है?

बोर्ड ने आरोप लगाया है कि मैच रेफरी भारतीय खिलाड़ियों को खेल भावना और खेल की मर्यादा के खिलाफ आचरण करने से रोकने में नाकाम रहे। भारत ने शुरुआती दोनों मुकाबले जीतकर सुपर 4 के लिए क्वालीफाई कर लिया है। वहीं, ग्रुप-ए की प्वाइंट्स टेबल में पाकिस्तान की टीम 2 में से 1 मैच जीत चुकी है। यह टीम दूसरे स्थान पर मौजूद है।

जुनून और समर्पण तारीफ के काबिल, पीएम मोदी ने वैषाली रमेशबाबू और आनंदकुमार वेलकुमार को दी बधाई

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय ग्रैंडमास्टर वैषाली रमेशबाबू ने लगातार दूसरी बार फिडे विमेंस ग्रां प्री स्विस खिताब अपने नाम किया। वहीं, आनंद ने सीनियर मेंस 1000 मीटर स्प्रिंट स्पीड स्केटिंग वर्ल्ड चैंपियनशिप 2025 में स्वर्ण पदक जीता।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को भारतीय शतरंज ग्रैंडमास्टर वैषाली रमेशबाबू को फिडे विमेंस ग्रां प्री स्विस खिताब जीतने पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि वैषाली का जुनून और समर्पण प्रेरणादायक है। प्रधानमंत्री ने लिखा, शानदार उपलब्धि। वैषाली रमेशबाबू को बधाई। उनका जुनून और समर्पण काबिले-तारीफ है। उनके आने वाले प्रयासों के लिए शुभकामनाएं।

लगातार दूसरी बार जीता खिताब–भारतीय ग्रैंडमास्टर वैषाली रमेशबाबू ने लगातार दूसरी बार फिडे विमेंस ग्रां प्री स्विस खिताब अपने नाम किया। उन्होंने समरकंद में सोमवार को खेले गए 11वें और आखिरी राउंड में चीन की पूर्व विश्व चैंपियन झोंगयी टैन के खिलाफ कड़े मुकाबले में ड्रॉ खेलते हुए यह उपलब्धि हासिल की। इस जीत के साथ उन्होंने विमेंस कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में भी जगह बना ली है।

स्पीड स्केटिंग में भारत को पहला वर्ल्ड चैंपियन

प्रधानमंत्री मोदी ने एक और खेल उपलब्धि पर भी खुशी जाहिर की। उन्होंने सीनियर मेंस 1000 मीटर स्प्रिंट स्पीड स्केटिंग वर्ल्ड चैंपियनशिप 2025 में गोल्ड मेडल जीतने पर आनंदकुमार वेलकुमार को बधाई दी। पीएम मोदी ने लिखा, आनंद का हौसला, रफ्तार और जज्बा उन्हें भारत का पहला स्केटिंग वर्ल्ड चैंपियन बनाता है। यह उपलब्धि अनगिनत युवाओं को प्रेरित करेगी। उन्हें बधाई और भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं।

एथलेटिक बिलबाओ को झटका, पूरे सीजन बाहर रहेंगे मिडफील्डर बेनात प्राडोस

मैड्रिड, एजेंसी। एथलेटिक बिलबाओ को 11 साल बाद चैंपियंस लीग में वापसी से ठीक पहले बड़ा झटका लगा है। मिडफील्डर बेनात प्राडोस को एंटीरियर क्रूसिएट लिगामेंट (एसीएल) की गंभीर चोट लगी है। 24 वर्षीय प्राडोस पिछले हफ्ते ट्रेनिंग के दौरान अपना बायां घुटना चोटिल करवा बैठे थे, जिसके चलते उन्हें पूरे सीजन बाहर बैठना पड़ेगा। क्लब की ओर से बयान में कहा गया है, एथलेटिक क्लब की मेडिकल टीम की तरफ से किए गए टेस्ट से पता चला है कि फर्स्ट-टीम खिलाड़ी बेनात प्राडोस के बाएं घुटने के एंटीरियर क्रूसिएट लिगामेंट (एसीएल) में गंभीर चोट आई है। जल्द ही सर्जरी की तारीख तय की जाएगी। प्राडोस की फिटनेस को लेकर नियमित अपडेट दिए जाएंगे। कोच अर्नेस्टो वाल्वरडे की रणनीति में प्राडोस को मिकेल जौरेगिजार और चोटिल इनिगो रुइज डी गैलारेटा के बाद सेंट्रल मिडफील्ड में तीसरी पसंद माना जाता था। उनसे चैंपियंस लीग, ला लीगा, कोपा डेल रे और स्पेनिश सुपर कप जैसे टूर्नामेंट्स में अहम भूमिका निभाने की उम्मीद की जा रही थी। एथलेटिक की यूथ एकेडमी से निकले प्राडोस ने पिछले सीजन 45 मैच खेले थे। दूसरे डिवीजन की टीम मिरांडेस के लिए लोन से लौटने के बाद पिछले सीजन में 33 मैच खेले थे। एथलेटिक क्लब मंगलवार शाम अपने चैंपियंस लीग अभियान की शुरुआत प्रीमियर लीग टीम आर्सेनल के खिलाफ मुकाबले के साथ करेगा। इस मिडफील्डर की कमी को पूरा करने के लिए अर्नेस्टो वाल्वरडे एक और अनुभवी मिकेल वेस्गा और बी-टीम के एलेजांद्रो रेगो की मदद लेंगे।

ब्रायन लारा की शानदार वापसी, 56 साल की उम्र में दिखाया क्लास, अपनी टीम के लिए खेली शानदार पारी

नई दिल्ली, एजेंसी। दुनिया के महान बल्लेबाजों में शुमार ब्रायन लारा को क्रिकेट फैंस आज भी उनके बड़े-बड़े शॉट्स और लंबे शतक के लिए याद करते हैं. 17 साल पहले इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले चुके लारा ने एक बार फिर बल्ले से अपनी मौजूदगी दर्ज कराई है. त्रिनिदाद एंड टोबैगो में आयोजित नॉर्थ जोन क्रिकेट काउंसिल ञ्20 फेस्टिवल में उन्होंने अपने बचपन की टीम हावर्ड स्पोर्ट्स क्लब के लिए खेलते हुए शानदार बल्लेबाजी की और टीम को जीत दिलाई.

बारिश से छोटा हुआ मैच

डिएगो मार्टिन रिजनल स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स में हावर्ड स्पोर्ट्स क्लब और इबोनी स्पोर्ट्स की टीमें आमने-सामने थी. पहले यह मुकाबला 20-20 ओवर का होना था लेकिन बारिश के कारण इसे घटाकर 15-15 ओवर का कर दिया गया. पहले बल्लेबाजी करते हुए इबोनी स्पोर्ट्स ने 6 विकेट पर 100 रन बोर्ड पर लगा दिए और हावर्ड की टीम को जीत के लिए 101 रन का लक्ष्य दिया.

जब मैदान पर आए लारा

हावर्ड स्पोर्ट्स क्लब ने लक्ष्य का पीछा तेज शुरुआत के साथ किया, लेकिन स्कोरबोर्ड 48 पर पहुंचते ही टीम ने अपने दो विकेट गंवा दिए. इसी वक्त नंबर 4 पर बल्लेबाजी करने आए 56 वर्षीय ब्रायन लारा. मैदान पर आते ही उन्होंने अपने अनुभव और क्लास का परिचय दिया. लारा ने गेंदबाजों को खुलकर खेला और स्ट्राइक रोटेट करते हुए साथ ही जरूरी समय पर बड़े शॉट लगाए.

नाबाद पारी से जिताया मैच

लारा ने 26 रन की नाबाद पारी खेली और साथी बल्लेबाज आंद्रे यार्ड के साथ मिलकर तीसरे विकेट के लिए अहम साझेदारी निभाई. उनकी पारी ने मैच का रुख पूरी तरह हावर्ड के पक्ष में कर दिया. आखिरकार हावर्ड स्पोर्ट्स क्लब ने यह मैच 8 विकेट से जीत लिया और विजयी रन भी लारा के बल्ले से ही निकला. इस तरह उन्होंने साबित कर दिया कि उम्र चाहे कुछ भी हो, क्लास हमेशा कायम रहती है.

भारत में भी दिखे थे एक्शन में

ब्रायन लारा इसी साल की शुरुआत में भारत में खेले गए इंटरनेशनल मास्टर्स लीग में वेस्टइंडीज मास्टर्स टीम की ओर से मैदान पर उतरे थे. उस टूर्नामेंट में उनकी टीम फाइनल तक पहुंची थी और उपविजेता रही थी.

लारा का करियर

ब्रायन लारा ने 2007 में इंटरनेशनल क्रिकेट को अलविदा कहा था, लेकिन तब तक वह वेस्टइंडीज क्रिकेट का सबसे बड़ा नाम बन चुके थे. उन्होंने अपने टेस्ट करियर में 131 मैच खेलते हुए 11,953 रन बनाए और आज भी वह वेस्टइंडीज के लिए टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं. उनकी 400 रन की नाबाद पारी और 375 रन की पारी टेस्ट क्रिकेट इतिहास में दर्ज हैं.